अखिलेश का योगी सरकार पर... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 53 | गाजियाबाद / बुधवार 27 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

उर्वशी रौतेला ने अपनाया करियर... 11

शरबत नहीं चंडीगढ़ में चल रहा था शराब का 'भंडारा'

वीडियो वायरल होने पर मचा बवाल,आरोपीगण गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर हर दिन हजारों-लाखों वीडियो शेयर होते हैं। कुछ वीडियो तो देखते ही देखते लोगों के बीच गदर काट देते हैं। इनमें कुछ मामले काफी चौंकाने वाले होते हैं। जबकि, कुछ मामले तो सोच से परे होते हैं। इन दिनों एक ऐसा ही वीडियो लोगों के बीच गदर काट रहा है, जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान रह गया। क्योंकि, इस वीडियो में शराब का 'भंडारा' चलते हुए दिखाई दे रहा है। सुनकर भले ही आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन जब वीडियो देखें तो जरूर हक्के-बक्के रह जाएंगे।

बताया जा रहा है कि यह चौंकाने वाला मामला चंडीगढ़ के सेक्टर-9 मार्केट का मामला है। आमतौर पर गर्मी में आप लोगों को शरबत, ठंडा

पानी बांटते हुए देखते होंगे। लेकिन, यहां तो सरेआम लोगों को शराब बांटी जा रही थी। दरअसल, एक नई शराब ब्रांड के प्रमोशन के लिए खुले में लोगों को फ्री में शराब दी जा रही थी। बताया जा रहा है कि बर्फ के गोले पर शराब डालकर लोगों में बांटा जा रहा था। हैरानी की बात ये है कि इसके लिए भी लोगों की लाइन लगी हुई थी। किसी ने इस पूरे मामले को कैमरे में कैद कर लिया और वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया।

वीडियो वायरल होने पर आरोपी गिरफ्तार

वीडियो देखकर आप भी जरूर चौंक गए होंगे। वीडियो वायरल होने के बाद के के मालिक पर एफआईआर दर्ज की गई और बाद में उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया। लेकिन, इस मामले ने लोगों के बीच हड़कंप मचा दिया। काफी लोगों ने इसकी आलोचना भी की है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम शुभेंदु बोले

बांग्लादेशियों जल्दी-जल्दी भागो यहां से

- घुसपैठियों को जेल नहीं भेजेंगे, उन्हें भगाएंगे, दामाद नहीं हैं, चेक पोस्ट पर जुटने लगे बांग्लादेशी

कोलकाता/ मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को बांग्लादेशियों को देश छोड़कर जाने को कहा। वे बोले- राज्य में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें पुलिस को सौंपा जाए, जिसके बाद बीएसएफ उनकी वापसी में मदद करेगा।

उन्होंने कहा- जल्दी-जल्दी भागो यहां से, वरना एक्शन लेंगे। हम घुसपैठियों को जेल भेजकर रोटी नहीं खिलाएंगे। वह दामाद नहीं है। उन्हें भगाया जाएगा। उनके (बांग्लादेश के) ऑफिशियल्स भी कह चुके हैं कि जो हमारे लोग होंगे, उन्हें ले लेंगे। इधर, पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना में मंगलवार सुबह से ही 100 से ज्यादा विदेशी नागरिक हाकिमपुर चेक पोस्ट पर इकट्ठा हुए हैं। दावा है कि यह लोग पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में अवैध तरीके से रह रहे थे और अब बांग्लादेश लौटने के लिए बॉर्डर पर पहुंच रहे हैं।

राज्य का मुर्शिदाबाद ऐसा पहला जिला बन गया है, जहां 3 बांग्लादेशी नागरिकों को होल्डिंग सेंटर भेजा गया है। तीनों को अवैध तरीके से भारत में प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

होल्डिंग सेंटर में 30 दिन तक रखें जा सकेंगे संदिग्ध विदेशी- एक दिन पहले ही सरकार ने 'डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट' पॉलिसी को लागू करने की दिशा में सभी जिलों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों और डिपोर्टेशन का इंतजार कर रहे घुसपैठियों के लिए होल्डिंग सेंटर बनाने का आदेश दिया था। 23 मई को जारी आदेश में जिला प्रशासन से कहा गया है कि ऐसे सेंटर बनाए जाएं, जहां पकड़े गए संदिग्ध विदेशियों को रखा जा सके। संदिग्ध विदेशियों को ऐसे सेंटर में अधिकतम 30 दिन तक रखा जा सकेगा। इस दौरान उनके दस्तावेज, पहचान और नागरिकता की जांच होगी।

दिल्ली क्वाड बैठक में ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया

- समुद्री रास्तों की आजादी जरूरी : जयशंकर
- 3 बड़े फैसलों पर सहमति बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक खत्म हो गई है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा, 'ईरान की तरफ से होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने का असर अब तेल और ऊर्जा सप्लाई पर दिखने लगा है। क्वाड देशों का कहना है कि समुद्री रास्ते खुले रहना जरूरी हैं और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर किसी तरह का टोल या रोक नहीं लगनी चाहिए।

इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल हुए। अमेरिका की ओर से मार्को रूबियो, जापान से तोशिमित्सु मोतेगी और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पेनी वोंग मौजूद रहे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस होना चाहिए। जिन देशों पर

आतंकी हमले होते हैं, उन्हें अपनी सुरक्षा का अधिकार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बैठक में 3 बड़े फैसलों पर चर्चा की गई। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने नई दिल्ली में मंगलवार को हुए क्वाड समिट में इंडो-पैसेफिक इलाके की चिंताओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए रणनीतिक भरोसे को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा तय करना जरूरी है।

क्वाड के 3 बड़े फैसलों पर सहमति

1. क्वाड देशों ने समुद्र से जुड़ी जानकारी साझा करने और निगरानी बढ़ाने पर सहमति जताई है। बंदरगाहों से जुड़ी सुविधाओं के लिए एक एक्सपर्ट टीम बनाने पर भी विचार होगा। साथ ही फिजी में नया पोर्ट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा और समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स पर मिलकर काम होगा।
2. क्वाड देशों ने क्रिटिकल मिनरल्स के लिए एक साझा फ्रेमवर्क तैयार किया है। भारत और अमेरिका ने भी इस मुद्दे पर अलग समझौता किया है। क्वाड अब इस काम में दूसरे देशों को भी जोड़ने की कोशिश करेगा।
3. इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए नई पहल शुरू की गई है।

गृहमंत्री अमित शाह बोले-

बॉर्डर पर लगेंगे एंट्री ड्रोन सिस्टम

- राजस्थान में सांचू पोस्ट से पाकिस्तानियों को पीठ दिखाकर भागना पड़ा था, बॉर्डर पर किया नाश्ता

बीकानेर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीकानेर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सांचू पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान प्रहरी सम्मेलन में कहा- मैं ऐतिहासिक चौकी सांचू पर आया हूं। मेरे मन में सांचू चौकी को देखने की इच्छा गृहमंत्री बनने से पहले भी थी। 1964 के भारत-पाक युद्ध में सांचू की आबादी 500 से ज्यादा थी। आरएसी की चौकी 500 मीटर पीछे रणजीतपुरा गांव में थी।

- **दो बड़ी जंग की गवाह रही सांचू पोस्ट-** भारत-पाकिस्तान बॉर्डर की ये सबसे ऐतिहासिक पोस्ट में शामिल है। ये दो बड़ी जंग की गवाह रही है। अमित शाह पहले गृहमंत्री हैं, जिन्होंने इस पोस्ट पर जाकर जवानों से मुलाकात की। उन्होंने यहां से पाकिस्तानी सरहद और जीरो पॉइंट वाला इलाका भी देखा।
- **सांचू पोस्ट से देखा पाकिस्तानी इलाका-** सांचू पोस्ट पर अमित शाह ने करीब डेढ़ घंटे बिताए। उन्होंने भीषण गर्मी में ड्यूटी करने वाले जवानों से उनके अनुभव व बॉर्डर एक्टिविटी को लेकर बातचीत की। जवानों के साथ उन्होंने ट्रेडिशनल नाश्ता भी किया।करीब 42 डिग्री टेम्प्रेचर वाली सांचू पोस्ट से अमित शाह ने दूरबीन से आसपास का एरिया भी देखा। इसमें पाकिस्तान बॉर्डर का एरिया भी शामिल है। शाह दोपहर करीब 12.30 बजे बीकानेर के लिए रवाना हुए।

शाह बोले- गर्मी में भी जवान देश की रक्षा के लिए समर्पित रहते हैं- शाह ने कहा- ऐतिहासिक चौकी पर सुबह सात बजे ही गर्मी शुरू हो जाती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान दिखाई देता है। वहां जवान अपने घर से दूर रहकर अपने जीवन का स्वर्ण काल भारत माता के लिए समर्पित कर रहे हैं।

आतंकी हमले की कोई हिम्मत नहीं करें- शाह ने कहा- 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सुरक्षा व्यवस्था में कई परिवर्तन हुए। सेना का आधुनिकीकरण हो रहा है। जहां कुछ बड़े प्रयास आतंकवादियों की ओर से किए जाते हैं, वहां मुंहतोड़ जवाब देने की नीति भारत सरकार ने अपनाई है। प्रयास होने के बाद जवाब देना पड़े, यह स्थिति ठीक नहीं है। हमें सुनिश्चित करना पड़ेगा कि कोई प्रयास करने की हिम्मत ही न करे।

बंगाल में भी बैठक सुनिश्चित कर दी गई- शाह ने कहा- कुछ दिन पहले बिहार के सीमांचल में गया था। वहां प्रशासन और सरकार के साथ विस्तृत बैठक हुई थी।

पीएम मोदी पर लिखी शिवराज की किताब का विमोचन

- बोले- मैंने महसूस किया उनका कर्मयोगी स्वभाव, कई मुख्यमंत्री भी हुए शामिल

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने 35 साल के अनुभवों को किताब के रूप में पेश किया है। उन्होंने 'अपनापन : नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव' नाम से पुस्तक लिखी है, जिसका विमोचन आज दिल्ली के पूसा स्थित एनएएससी कॉम्प्लेक्स में सुबह 10:30 बजे किया गया। इस पुस्तक का विमोचन पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने किया। समारोह में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान समेत करीब एक दर्जन राज्यों के सीएम शामिल हुए।

- **1991 से लेकर अब तक के अनुभव-** शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि यह किताब उनके लिए सिर्फ एक पुस्तक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ बिताए लंबे समय का अपनापन है। 1991 की एकता यात्रा से लेकर आज तक के अनुभवों को इसमें शामिल किया गया है। उस समय मुरली मनोहर जोशी की यात्रा में नरेंद्र मोदी संगठनात्मक प्रभारी थे।
- **किताब युवाओं को प्रेरित करेगी-** शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि यह पुस्तक युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करेगी। इसमें अनुशासन, तपस्या, समर्पण और लोगों के साथ अपनापन से बड़े लक्ष्य हासिल करने की सीख दी गई है।

पाकिस्तान बोला- इजराइल को देश नहीं मानेंगे

- विचारधारा से समझौता मंजूर नहीं, ट्रम्प ने मुस्लिम देशों से कहा था- इजराइल से दोस्ती करें

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने इजराइल से दोस्ती करने और उसे देश की मान्यता देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अपनी मौलिक विचारधाराओं से समझौता नहीं कर सकता। आसिफ ने कहा हम उन लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं

जिनकी बात पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान दुनिया का शायद इकलौता देश है, जिसके पासपोर्ट पर लिखा होता है कि यह इजराइल के लिए मान्य नहीं है। इससे पाकिस्तान का रुख पूरी तरह साफ है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मुस्लिम देशों से इजराइल से रिश्ते सुधारने और अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील की थी।

ट्विशा डेथ केस | **सीडीआर-सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने पर आज सुनवाई**

सीबीआई सास गिरिबाला के घर पहुंची

- डीसीपी बोले-जिस बेल्ट का फंदा बनाया, उसकी फोरेंसिक जांच जारी

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर भोपाल जिला कोर्ट में अलग-अलग आवेदन दायर किए गए हैं। इन पर भोपाल पुलिस की तरफ से कोई भी प्रतिवेदन कोर्ट में अब तक पेश नहीं किया गया है। इसका कारण सीबीआई द्वारा मामले की जांच अपने हाथ में लेना माना जा रहा है।

जल्द ही इस केस को सीबीआई कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की भी संभावना है। इससे पहले सोमवार रात सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ पर एफआईआर दर्ज की। इसमें दहेज में पैसों की डिमांड होने की बात मानी गई है।जानकारी के अनुसार, ट्विशा के परिवार की ओर से वकील अंकुर पांडे ने भोपाल कोर्ट में सीडीआर सुरक्षित रखने के लिए आवेदन दिया है। वहीं, गिरिबाला सिंह की ओर से सीसीटीवी फुटेज

सुरक्षित रखने को लेकर एप्लीकेशन दी है। दोनों आवेदनों पर आज सुनवाई तय है।

जिस बेल्ट से फांसी लगाने की बात कही, वह एफएसएल के पास- उधर, ट्विशा के जिस जिमनास्टिक बेल्ट से कथित तौर पर फांसी लगाने का दावा किया जा रहा है, वह बेल्ट दोनों बार पोस्टमॉर्टम करने वाली मेडिकल टीम को नहीं दिखाई जा सकी।

सीबीआई ने एफआईआर को दोबारा दर्ज कराया

सीबीआई की टीम सोमवार को भोपाल पहुंची थी। एजेंसी ने कटारा हिल्स थाने में पहले दर्ज एफआईआर को री-रजिस्टर कर ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सास, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया।

पुलिस जांच में 20 लाख रुपए अतिरिक्त मांगने की बात सामने आई थी। इसी आधार पर सीबीआई ने दहेज मृत्यु का मामला दर्ज किया है।

ईरान ने अमेरिका का एमक्यू-9 रीपर ड्रोन गिराया

- अमेरिका का होर्मुज के पास ईरानी बोट्स पर हमला, मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया

तेल अवीव/तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है। आईआरजीसी का कहना है कि यह ड्रोन ईरानी हवाई क्षेत्र में घुस आया था। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका संघर्षविराम का उल्लंघन करता है, तो उसे जवाब देने का पूरा अधिकार है। इससे पहले अमेरिकी सेना ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास बारूदी सुरंग बिछा रही बोट्स को निशाना बनाया। इसके अलावा बंदर अब्बास पोर्ट के पास सरफेस टू एयर मिसाइल साइट पर भी हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) के मुताबिक यह कार्रवाई सेल्फ-डिफेंस यानी आत्मरक्षा में की गई।

- **ईरान के साथ ओबामा जैसी डील नहीं-** ट्रम्प ने कहा कि वे ईरान के साथ ओबामा जैसी डील नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि या तो अच्छा समझौता होगा या फिर कुछ भी नहीं होगा।
- **ईरान की दोहा वार्ता में होर्मुज और यूरेनियम मुद्दा सबसे अहम-** ईरान के शीर्ष प्रतिनिधिमंडल की कतर यात्रा में होर्मुज स्ट्रेट और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम सबसे अहम मुद्दे बने हुए हैं। साथ ही ईरान की फ्रीज संपत्तियों को जारी करने पर भी बातचीत हो रही है।

ईरान पर नए हमलों के बाद फिर बढ़े कच्चे तेल के दाम- ईरान पर अमेरिका के नए हमलों के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें फिर बढ़ गई हैं। इससे पहले अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीद में तेल कीमतों में गिरावट आई थी। ब्रेंट क्रूड की कीमत मंगलवार सुबह 3.3 प्रतिशत बढ़कर 96.5 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। सोमवार को इसमें करीब 10 प्रतिशत की गिरावट आई थी, क्योंकि बाजार को उम्मीद थी कि अमेरिका और ईरान युद्ध रोकने के लिए समझौते पर सहमत हो सकते हैं।

अमेरिकी हमलों में 4 ईरानी सैनिकों की मौत का दावा- मीडिया रिपोर्ट्स में दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास में अमेरिकी हमलों में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के 4 जवानों के मारे जाने का दावा किया गया है।

पंजाब - निगम-कौंसिल वोटिंग में मचा बवाल

- पुलिस और भीड़ में पथराव, लाठीचार्ज, युवक को करंट लगा
- कांग्रेस कैंडिडेट के हाथ-पैर तोड़े; सीएम के पूर्व ओएसडी हिरासत में

मोहाली/पठानकोट/लुधियाना/जालंधर (एजेंसी)। पंजाब में मोहाली समेत 8 नगर निगमों, 75 नगर कौंसिल और 20 नगर पंचायतों के लिए वोटिंग में कई जगह हिंसक झड़पें हुईं। पटियाला के समाना में पुलिस-भीड़ में पथराव हो गया। पुलिस ने भी भीड़ पर पत्थर मारकर लाठीचार्ज किया। हवाई फायरिंग की भी खबर है। इस दौरान एक युवक को करंट भी लग गया। लुधियाना के रायकोट में कांग्रेस कैंडिडेट के हाथ-पैर तोड़ दिए गए। सुबह 8 बजे शुरू हुई वोटिंग शाम 5 बजे तक चलेगी। राज्य चुनाव आयोग के मुताबिक दोपहर 2 बजे तक 45.60 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। वोटिंग ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से हो रही है।

यूसीसी पर ओवैसी का पलटवार: मुसलमानों पर थोपा जा रहा हिंदू कानून

– नितिन गडकरी ने पेश की स्वदेशी तकनीक

हैदराबाद (एजेंसी)। असम विधानसभा में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार द्वारा यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) विधेयक पेश होने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यूसीसी कानून को मुसलमानों पर बैकडोर से हिंदू कानून थोपने का प्रयास बताया। असम, गुजरात, गोवा और उत्तराखंड के बाद चौथा भाजपा शासित राज्य बन गया है, जहां समान नागरिक संहिता अपनाने की प्रक्रिया शुरू की है।

एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने आरोप लगाया कि यह विधेयक मुस्लिम पर्सनल कानूनों पर सीधा हमला और उनके संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण करता है। उन्होंने लिखा कि उत्तराधिकार, विरासत और तलाक जैसे महत्वपूर्ण मामलों में हिंदू सिद्धांतों को जबरन थोपा जा रहा है, जिसका उद्देश्य सिर्फ हिंदू संस्कृति को संरक्षित करना है, जबकि मुसलमानों को इन कथित समान कानूनों को मानने के लिए मजबूर किया।

हैदराबाद के सांसद ने असम के यूसीसी को असमान बताकर इसकी आलोचना की, क्योंकि इसमें आदिवासी समुदाय को इसके दायरे से पूरी तरह बाहर किया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि जब

संविधान का अनुच्छेद 29 सभी समुदायों को अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार देता है, तब केवल आदिवासियों की स्वायत्तता ही क्यों बचाया जा रहा है? ओवैसी के अनुसार, यह ऐसा कानून थोपने की कोशिश है जिसकी किसी को जरूरत नहीं, और संविधान सभा ने भी यूसीसी की अनिवार्यता को जरूरी नहीं समझा था। उन्होंने इस्लाम में विरासत के सिद्धांतों (कोई वारिस वंचित नहीं हो सकता, बेटियों को उचित हिस्सा मिलना) का जिक्र कर कहा कि यह यूसीसी बेटियों को वसीयत के जरिए उनके वाजिब हक से वंचित करने की इजाजत देता है, और इसका लैंगिक न्याय से कोई संबंध नहीं है।

असम सरकार के विधेयक के कानून बनने पर, बहुविवाह और दो विवाह सभी धर्मों के लिए गैर-कानूनी हो जाएंगे। इसमें महिलाओं को विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप के मामलों में समान अधिकार और कानूनी सुरक्षा मिलेगी। यह राज्य में विभिन्न धर्मों के व्यक्तिगत कानूनों की जगह लेगा, हालांकि अनुसूचित जनजातियों को इससे छूट दी गई है। विधेयक लड़कों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 21 और लड़कियों के लिए 18 साल निर्धारित करता है। सभी शादियों और तलाक का 60 दिनों के भीतर पंजीकरण अनिवार्य होगा।

इसके पहले असम विधानसभा में महत्वपूर्ण बहस के बीच, मुख्यमंत्री सरमा ने प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का जोरदार बचाव किया। उन्होंने यूसीसी को अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को अधिकतम सुरक्षा और न्याय देने वाला प्रगतिशील कदम बताया, विपक्ष पर मुद्दे पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दे रही है, और यह विधेयक धार्मिक अल्पसंख्यक महिलाओं के विवाह, उत्तराधिकार और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अधिकारों को मजबूत करेगा। इस विधेयक को सोमवार को संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री की ओर से पेश किया था और इस पर 27 मई को चर्चा तथा पारित होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री सरमा ने राज्य की आर्थिक प्रगति पर भी प्रकाश डाला, यह घोषणा करते हुए कि असम 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने बताया कि राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2021-22 में 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में अनुमानित 8.72 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 13 से 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। इस अभूतपूर्व गति के साथ, असम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विजन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वित्त मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि असम को 2014 से 2026 तक कर हस्तांतरण और केंद्रीय अनुदान के रूप में 5.61 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, टिकाऊ अवसंरचना के विकास के लिए पूंजीगत व्यय हेतु 17,000 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज-मुक्त ऋण भी प्रदान किया गया है।

इबोला वायरस को लेकर भारत अलर्ट, अफ्रीकी देशों की यात्रा से बचने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में एक बार फिर इबोला वायरस का खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। अफ्रीका के कई देशों में तेजी से फैल रहे संक्रमण को देखते हुए भारत सरकार ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों को कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह जारी की है। इन देशों में इबोला संक्रमण के सैकड़ों मामले सामने आने और बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां चिंतित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति को गंभीर बताया गया है। जानकारी के अनुसार कांगो में इबोला का प्रकोप सबसे ज्यादा बढ़ा है। वहां बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। कांगो सरकार के अनुसार देश के पूर्वी हिस्से में संदिग्ध मामलों की संख्या 900 से अधिक पहुंच चुकी है, जबकि 100 से ज्यादा संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में आवाजाही अधिक होने के कारण युगांडा में भी संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। वहीं दक्षिण सूडान में कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते हालात और गंभीर माने जा रहे हैं। इबोला वायरस को अत्यधिक संक्रामक माना जाता है और यह संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक द्रवों के संपर्क से फैलता है। गंभीर स्थिति में यह बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की निगरानी भी सख्त कर दी है। कांगो, युगांडा, दक्षिण सूडान और उनके पड़ोसी देशों से आने वाले यात्रियों की प्रमुख हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर मेडिकल स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिए हैं कि यदि किसी यात्री में तेज बुखार, उल्टी, दस्त, बदन दर्द या रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत आइसोलेशन में रखा जाए। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों के बड़े सरकारी अस्पतालों को भी विशेष आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में अफ्रीका से लौटे भारतीय नागरिकों से अपील की है कि यदि वे अस्वस्थ महसूस करें तो तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को अपनी यात्रा संबंधी जानकारी दें। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते सावधानी बरतने से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है।

ट्रेलर में घुसी इनोवा, कैंची धाम जा रहे 4 श्रद्धालुओं की मौत, 3 गंभीर

-बाराबंकी में सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार इनोवा कार आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। इस भीषण टक्कर में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के भिखरा गांव के पास देर रात करीब दो बजे हुआ। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग भीतर ही बुरी तरह फंस गए। आधी रात को हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिसे सुनकर दौड़े राहगीरों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी सात लोग उत्तराखंड स्थित प्रसिद्ध बाबा नीम करौली के कैंची धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार हैदरगढ़ क्षेत्र में पहुंची, सुल्तानपुर से लखनऊ की ओर जा रहे एक ट्रेलर से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद कार को काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ पहुंचाया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ के केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। हादसे की खबर जैसे ही मृतकों के परिजनों को मिली, उनके घरों में कोहराम मच गया। इस सड़क हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की पहचान राहुल कुमार (पुत्र संजय कुमार, निवासी मुगलसराय, जनपद चंदौली), राहुल सिंह (पुत्र अजय प्रताप, निवासी गैबीपुर, जनपद गाजीपुर), सत्यम सिंह (पुत्र स्वर्गीय तेज प्रताप सिंह, निवासी रामपुर रसड़ा, जनपद बलिया) और सूरज मिश्रा (निवासी निकसपुर, थाना सुल्तानपुर) के रूप में हुई है। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों में पंकज (पुत्र रमेश सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर), प्रशांत (पुत्र अवध बिहारी, निवासी बेला, जनपद बलिया) और चंदन सिंह (पुत्र दशरथ सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर) शामिल हैं, जिनका लखनऊ में इलाज चल रहा है। पुलिस ने चारों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और रात के समय चालक को झपकी आने को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, फिलहाल पुलिस मामले की सघन जांच में जुटी है।

बेटे की शादी में 3500 ग्रामीणों को दिया दुर्घटना बीमा का तोहफा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादरपुरा गांव में एक शादी सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल बनी है। जहां आमतौर पर शादी समारोहों में लाखों रुपये भव्य सजावट और आतिशबाजी पर खर्च होते हैं, वहीं पेठकर परिवार ने अपने बेटे सिद्धेश्वर पेठकर के विवाह को यादगार बनाकर समाज सेवा से जोड़ दिया। उन्होंने पूरे गांव के करीब 3500 लोगों का दुर्घटना बीमा कराकर एक ऐसी पहल की है, जिसकी हर ओर चर्चा हो रही है। पेठकर परिवार का मानना है कि विवाह केवल व्यक्तिगत खुशी का मौका नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी होना चाहिए। इसी सोच के साथ, सिद्धेश्वर और मंजुषा के विवाह समारोह के अवसर पर, परिवार ने गांव के लोगों को भविष्य में किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया। इस कदम का उद्देश्य आकस्मिक परिस्थितियों में परिवारों को आर्थिक संकट से बचाना है। जैसे ही पहल की जानकारी गांव में सामने आई, ग्रामीणों में खुशी और गर्व का माहौल छा गया। गांव के बुजुर्गों और अन्य लोगों ने कदम की जमकर प्रशंसा की। उनका कहना है कि उन्होंने पहली बार किसी शादी में ऐसा प्रेरणादायक सामाजिक संदेश देखा है, और यह आने वाले समय में अन्य परिवारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। पेठकर परिवार के इस अनूठे कार्य की इलाके में व्यापक चर्चा हो रही है। सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी पहल की सराहना कर कहा है कि यदि समाज के सक्षम लोग अपने निजी आयोजनों को सामाजिक हित से जोड़ें, तब कई जरूरतमंदों की मदद की जा सकती है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं। बहादरपुरा गांव में अब यह शादी केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन गई है, जिसने खुशियों के अवसर पर समाज के बारे में सोचने की एक नई शुरुआत की है।

आज दिल्ली आ रहे सीएम विजय, पीएम मोदी से होनी हैं मुलाकात

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय बुधवार को पदभार संभालने के बाद अपनी पहली दिल्ली यात्रा पर आ रहे हैं। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय बुधवार सुबह चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना होने वाले है। राज्य के गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण यात्रा की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विजय की बातचीत के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जो दोनों नेताओं के बीच पहली औपचारिक मुलाकात होगी। मुख्यमंत्री विजय के दौरे के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया और राहुल गांधी से भी मिलने की संभावना है। अपनी दिल्ली यात्रा के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, विजय जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में तमिलनाडु सरकार द्वारा स्थापित तमिल कवि-संत तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का उद्घाटन भी करने वाले है। यह दौरा विजय के तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में 10 मई को शपथ लेने के कुछ ही सप्ताह बाद हो रहा है। उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके), ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की थी, जिसने राज्य की राजनीति में दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के वर्चस्व को समाप्त कर दिया।

राम मंदिर में 'पास' की अनिवार्यता खत्म, पूरे परिसर का दर्शन अब होगा संभव

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर परिसर के भीतर स्थित सभी प्रमुख और पूरक मंदिरों में दर्शन करने के लिए 'पास' की अनिवार्य बाध्यता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। अब श्रद्धालु अपनी इच्छानुसार न केवल रामलला दर्शन कर सकेंगे बल्कि राम दरबार परकोटे के छह देवी देवताओं के मंदिरों और सप्त ऋषियों-मुनियों के मंदिरों में भी बिना किसी रोक-टोक के सुगमता से दर्शन-पूजन कर पाएंगे। हालांकि ट्रस्ट ने साफ किया है कि यह खुली छूट और व्यवस्था अधिक दिनों तक स्थायी नहीं रहने वाली है। जैसे ही राम मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों की दैनिक संख्या एक लाख से अधिक होने लगेगी, वैसे ही ट्रस्ट अपनी पुरानी पास व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से दोबारा कड़ाई से लागू कर देगा।

अवैध बांग्लादेशियों को सीएम शुभेंदु की कड़ी चेतावनी: जल्दी भागो बंगाल से

-बोले- कोई हमारे दामाद नहीं, जो उन्हें बिठाकर खिलाएं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को कड़ी चेतावनी देकर तुरंत देश छोड़कर जाने को कह दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, जल्दी-जल्दी भागो यहां से, वरना कार्रवाई की जाएगी। सीएम अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठियों को जेल में रखकर रोटी नहीं खिलाएगी और न ही घुसपैठियों पर अपना पैसा बर्बाद करेगी। उन्होंने कहा, वह हमारे दामाद नहीं हैं, उन्हें बंगाल से भगाया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने बताया कि बांग्लादेश के अधिकारी भी अपने लोगों को वापस लेने पर सहमत हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर बीएसएफ को सौंपेगी, जो उनकी वापसी में मदद करेगा।

शुभेंदु सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। इससे पहले, राज्य सरकार ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों, जिसमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या शामिल हैं, को उनके देश वापस भेजने के लिए विशेष होल्डिंग सेंटर बनाने के निर्देश जारी किए थे। इस संबंध में पश्चिम बंगाल के सभी जिलाधिकारियों को लिखित निर्देश और गाइडलाइंस भेजी गई हैं। जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में इन सेंटरों के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान कर जल्द से जल्द आगे की कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया गया है। सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ अपनी नीतियों को सख्ती से लागू करने का संकल्प लिया है।

अखिलेश का योगी सरकार पर बड़ा हमला: फर्जी मुठभेड़ों से खड़ा किया आपराधिक तंत्र

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सरकार पर फर्जी मुठभेड़ों के मकसद से आपराधिक तंत्र स्थापित करने और पुलिसकर्मियों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया।

लखनऊ में एक प्रेसवार्ता कर यादव ने दावा किया कि योगी सरकार पहले पुलिसकर्मियों को मुठभेड़ों में शामिल करती है और बाद में उन्हें छोड़ देती है। उन्होंने गोरखपुर फर्जी मुठभेड़ मामले का उदाहरण देकर कहा कि कई पुलिसकर्मी इस कारण जेल में हैं, जबकि योगी सरकार ने इससे पल्ला झाड़ लिया है। पूर्व सीएम यादव ने आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए पूरा एक आपराधिक तंत्र खड़ा किया गया है, जहां कुछ वकील ऐसी मनगढ़ंत कहानियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। उन्होंने आगाह किया कि फर्जी मुठभेड़ों में फँसने पर योगी सरकार पुलिसकर्मियों से मुँह मोड़ लेती है, और भविष्य में उनके अपने परिवार वाले भी उन्हें हत्यारा मनाते है। अखिलेश ने प्रथा को अलोकतांत्रिक बताकर इसकी कड़ी निंदा कर कहा कि फर्जी मुठभेड़ों में शामिल पुलिस अधिकारियों को आजीवन गंभीर परिणाम भुगतान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि योगी सरकार इसके जरिए मनोवैज्ञानिक दबाव बना रही है और इसतरह के कृत्यों में शामिल पुलिसकर्मी हर दिन धीमी मौत मरते हैं। पूर्व सीएम यादव ने दावा किया कि कई अधिकारियों ने मुठभेड़ों के डर का फायदा उठाकर महिलाओं के खिलाफ अपराध किए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि फर्जी मुठभेड़ों के डर से राज्य में निवेश नहीं आता, और भाजपा सरकार को भी अपने ही लोगों का नुकसान होता है। यादव ने विशेष रूप से जाति आधारित फर्जी मुठभेड़ों का उल्लेख किया। सपा प्रमुख ने बताया कि एक मुठभेड़ का अर्थ आम तौर पर झड़प होता है, जिसमें हिंसक या आपराधिक गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए एक मानसिक सॉफ्टवेयर सेट किया गया है,

जो अपडेट नहीं होता, जिससे लोगों में हिंसा भड़क रही है और हत्या को हिंसा के रूप में पेश किया जा रहा है। यादव ने कहा कि फर्जी मुठभेड़ें गलत हैं, लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ हैं, और सरकार अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। यह प्रवृत्ति कई जगहों पर स्पष्ट रूप से देखी जा रही है।

राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर, पीएम मोदी और अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ यहां अपर सिविल जज की अदालत में परिवाद दायर किया गया है। अधिवक्ता शकील अहमद खान ने सोमवार को गांधी के खिलाफ यह परिवाद दायर किया। खान ने परिवाद में कहा है कि राहुल गांधी ने गत 20 मई को अपने रायबरेली दौरे के दौरान डीह के लोधवारी गांव में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग किया जिससे उन्हें आघात लगा है। उन्होंने बताया कि अदालत से अनुरोध किया गया है कि न्याय हित में प्रार्थी व उसके गवाहों के साक्ष्य दर्ज कर राहुल गांधी को जिन धाराओं में दोषी पाया जाए उनमें तलब कर दंडित किया जाए। मालूम हो कि राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के साथ-साथ अमेठी के दो दिवसीय दौरे के दौरान अपने भाषणों में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए उन्हें 'गद्दार' कहा था।

मंत्री के बेटे पर पॉक्सो का आरोप: आरएसएस ने भाजपा से किनारा किया

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे साई भागीरथ को हैदराबाद में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह मामला 31 दिसंबर, 2025 की रात नए साल की पार्टी से जुड़ा है, जहां भागीरथ पर नाबालिग को शराब पिलाने और छेड़छाड़ करने का आरोप है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 17 वर्षीय पीड़िता और भागीरथ के बीच सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। आरोप है कि भागीरथ ने नाबालिग को बालिग होने पर शादी करने का झूठा वादा कर अपने जाल में फंसाया। पीड़िता की मां ने बताया कि भागीरथ मेरी बेटी को भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल करता था और पढ़ाई-लिखाई तथा करियर से जुड़े फैसलों पर भी रोक लगाता था। आरोप है कि इस दौरान भागीरथ बेटी को कई बार निजी अपार्टमेंट और फार्म हाउस में ले जाकर यौन उत्पीड़न करता था, जिसमें 31 दिसंबर, 2025 की रात मोइनाबाद के फार्महाउस पर हुई घटना प्रमुख है, जब बेटी को जबरदस्ती शराब पिलाकर उसका यौन उत्पीड़न किया गया।

लेकिन शुरुआती दबाव के कारण परिवार ने शिकायत दर्ज कराने में देरी की। आखिरकार, करीब चार महीने बाद 8 मई को मां की शिकायत पर

साई भागीरथ

भागीरथ के खिलाफ पॉक्सो (पॉक्सो) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। तेलंगाना पुलिस ने भागीरथ को 16 मई को गिरफ्तार किया। कुकटपल्ली की डिप्टी कमिश्नर आईपीएस रितिराज ने स्पष्ट किया कि भागीरथ ने आत्मसमर्पण नहीं किया था बल्कि मंत्री के बेटे को पुलिस ने पकड़ा है। इस मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, खासकर आरएसएस और भाजपा के बीच दरार पैदा हुई है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की रिकॉर्ड 8 सीटों पर जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेलंगाना आरएसएस ने इस विवाद से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है। तेलंगाना के प्रांत प्रचारक कट्टा राजगोपाल ने कहा है कि यह भाजपा का आंतरिक मामला है और अगर कोई उनके पदाधिकारियों को इसमें घसीटकर संघ की छवि खराब करने की कोशिश करेगा, तब कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वेबसाइट बंद, सुप्रीम कोर्ट में याचिका ; अब क्या करेगी 'कॉकरोच जनता पार्टी', खुद दिया बड़ा संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद चर्चा में आई 'कॉकरोच जनता पार्टी' अब खुद को केवल सोशल मीडिया अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहती। पार्टी से जुड़े लोगों ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में इसे युवाओं के बड़े जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इंस्टाग्राम पर करोड़ों युवाओं को जोड़ने वाली इस मुहिम ने हाल ही में अपना रोडमैप जारी करते हुए कहा कि यह केवल शुरुआत है और आगे देशभर में कई स्तरों पर अभियान चलाए जाएंगे। हालांकि इस अभियान को लेकर विवाद भी लगातार बढ़ता जा रहा है। पार्टी की वेबसाइट पर कार्रवाई होने और सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर किए जाने के बाद मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया है।

सोशल मीडिया पर जारी एक लंबे संदेश में 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने खुद की तुलना उन जीवों से की जो कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहते हैं। पोस्ट में कहा गया कि देश का युवा वर्ग भी आज संघर्ष, बेरोजगारी और असुरक्षा जैसी परिस्थितियों से जूझ रहा है, लेकिन वह हार नहीं मानेगा। पार्टी ने दावा किया कि उसकी

विचारधारा भारतीय संविधान से प्रेरित है और वह लोकतंत्र, सामाजिक न्याय तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए संघर्ष करेगी। संगठन ने महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, भगत सिंह और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे नेताओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से देश में बदलाव के लिए सुझाव भी मांगे हैं। पार्टी का कहना है कि बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और संस्थागत पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर जल्द बड़े अभियान शुरू किए जाएंगे। इस बीच अभियान शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को लगातार धमकियां मिलने की बात भी सामने आई है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित उनके घर के बाहर सुरक्षा के तौर पर पुलिस तैनात की गई है। अभिजीत फिलहाल अमेरिका के बोस्टन में हैं, जबकि उनके परिवार ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि न्यायालय की टिप्पणियों का उपयोग प्रचार के लिए किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद यह पूरा विवाद शुरू हुआ था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह मुहिम तेजी से फैल गई।

ब्रह्मोस मिसाइल की बढ़ी वैश्विक मांग, कई अरब देशों ने दिखाई दिलचस्पी

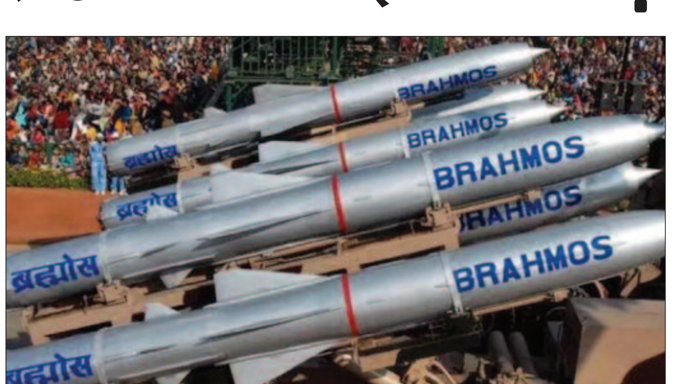

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में निर्मित ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल प्रणाली की वैश्विक मांग लगातार बढ़ती जा रही है। सूत्रों के अनुसार पश्चिम एशिया के कई अरब देशों ने भारत से इन मिसाइलों की खरीद में रुचि दिखाई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं ने रक्षा तैयारियों को और तेज कर दिया है। बताया जा रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कतर जैसे देशों ने भारत से रक्षा खरीद को लेकर संपर्क किया है। हालांकि सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन रक्षा और विदेश मंत्रालय स्तर पर बातचीत जारी होने की जानकारी सामने आई है।

भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम के तहत तैयार की जाने वाली ब्रह्मोस मिसाइल को दुनिया की सबसे आधुनिक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिना जाता है। इसकी मारक क्षमता लगभग 300 किलोमीटर तक बताई जाती है। वहीं आकाश मिसाइल प्रणाली मध्यम दूरी तक दुश्मन के विमानों और ड्रोन हमलों को नष्ट करने में सक्षम मानी जाती है। हाल के वर्षों में भारतीय रक्षा तकनीक को लेकर दुनिया के कई देशों की रुचि बढ़ी है और भारत भी रक्षा निर्यात को नई रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ा रहा है। सूत्रों का कहना है कि फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के बाद अब कई अन्य देश भी इस रक्षा प्रणाली को खरीदने के इच्छुक हैं। पहले से करीब आधा दर्जन देश ब्रह्मोस के लिए कतार में बताए जा रहे थे और अब अरब देशों की दिलचस्पी ने इसकी मांग को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मिसाइल तकनीक कम लागत और उच्च क्षमता के कारण वैश्विक रक्षा बाजार में तेजी से मजबूत स्थिति बना रही है।

इस बीच सऊदी अरब की ओर से अभी तक भारत से किसी औपचारिक रक्षा खरीद प्रस्ताव की जानकारी नहीं मिली है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के साथ रणनीतिक संबंधों के कारण सऊदी अरब फिलहाल संतुलित रुख अपनाए हुए है। हालांकि क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे में रक्षा साझेदारियों के नए समीकरण बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत के लिए यह अवसर रक्षा निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक रणनीतिक प्रभाव मजबूत करने के रूप में भी देखा जा रहा है।

संभव के तहत नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई, पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के दिए आदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर संभव के तहत हुई जनसुनवाई में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने समस्याओं को सुनकर समाधान के लिए निर्देश दिए। संभव के अंतर्गत 19 समस्याएं प्राप्त हुई। निर्माण विभाग से 10, स्वास्थ्य विभाग से 3, जलकल विभाग की 4, पार्किंग संबंधित 1 और प्रकाश संबंधित 1 समस्या प्राप्त हुई। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त जलकल संबंधित समस्याओं पर नगर आयुक्त ने महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए और मौके पर टीम भेज कर कार्यवाही कराई गई। विजयनगर जोन और सिटी जोन से नलकूप मरम्मत व मोटर की मरम्मत को लेकर पेयजल की समस्याएं सामने आई। आयुक्त ने संबंधित अवर अभियंता और अधिशासी अभियंता जल को समस्या बताते हुए तत्काल उसका निस्तारण करवाया। वहीं आयुक्त ने निर्देश दिया कि शहर के सभी वार्डों में जलकल विभाग की टीम स्वयं निरीक्षण करते हुए पेयजल आपूर्ति को सुनिश्चित करें।

पेयजल आपूर्ति नगर निगम की प्राथमिकता है और किसी प्रकार की लापरवाही जलापूर्ति में बर्दाश्त नहीं होगी। हर घर को पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान के रूप में कार्य किया जाए। अन्य विभागों से संबंधित प्राप्त समस्याओं पर भी कार्यवाही कराई गई। मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, डॉ. अनुज प्रभारी उद्यान, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, एसपी मिश्रा निर्माण विभाग से उपस्थित रहे।

जनगणना कार्यों को लेकर डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। डीएम रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जनगणना-2027 के अंतर्गत गाजियाबाद में संचालित आगामी चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक निर्धारित 30 दिवसीय अवधि में संपादित किया जाना है। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना कार्य को जनगणना कार्य निदेशालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स को प्रगणक ब्लॉक आवंटित किए जा चुके हैं तथा 22 मई 2026 से उनके आवंटित क्षेत्रों में कार्य प्रारंभ हो चुका है। कार्य की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन प्रगणकों द्वारा मोबाइल एप के माध्यम

से कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उनसे तत्काल शत-प्रतिशत कार्य प्रारंभ कराया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही कार्य में शिथिलता बरतने वाले अथवा अनुपस्थित रहने वाले प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स के विरुद्ध जनगणना अधिनियम-1948 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना कार्य में नियुक्त सभी अधिकारी एवं कार्मिक जनगणना अधिनियम-1948 की धारा-4 एवं 11 के अंतर्गत लोक सेवक हैं तथा जनगणना कार्य में सहयोग प्रदान करना उनका वैधानिक दायित्व है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही, कर्तव्य से इंकार अथवा शिथिलता दंडनीय अपराध है, जिसके लिए एक हजार रुपये तक का जुमार्ना तथा दोष सिद्ध होने की स्थिति में तीन वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। बैठक में अंजनी कुमार सिंह, जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सहित समस्त चार्ज अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना ड्यूटी न लेने वाले प्रागणकों पर होगी एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनगणना 2027 को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। ग्रेटर नोएडा के चार्ज अधिकारी एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी मुकेश कुमार सिंह ने चेतावनी दी है कि जिन कर्मचारियों एवं प्रागणकों (एन्यूमरेटर) की जनगणना में ड्यूटी लगाई गई है, वे बुधवार शाम तक अपनी ड्यूटी हर हाल में रिसीव कर लें। ऐसा न करने वालों के खिलाफ संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

चार्ज अधिकारी ने बताया कि जनगणना कार्य में लगाए गए सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है और उन्हें 20 जून तक जनगणना का कार्य पूर्ण करना है। इसके बावजूद कई कर्मचारी अब तक कार्य शुरू नहीं कर पाए हैं। ऐसे कर्मचारियों को अंतिम अवसर देते हुए बुधवार शाम तक का समय दिया गया है।

उन्होंने शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन से भी अपील की कि जनगणना कार्य में

लगे कर्मचारियों को पूरा सहयोग दिया जाए और किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न की जाए। अन्यथा संबंधित संस्थानों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि यदि किसी नागरिक को अपने क्षेत्र के प्रागणक से संपर्क नहीं हो पा रहा है तो वह अपने क्षेत्र के वर्क सर्किल प्रभारी, प्रबंधक, सहायक प्रबंधक या सुपरवाइजर से संपर्क कर सकता है। वहीं, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ एवं जनगणना के नोडल अधिकारी सुमित यादव ने आरडब्ल्यूए और अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन से अपील करते हुए कहा कि जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को सेक्टरों और सोसायटियों में प्रवेश करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के पहचान पत्र और ड्यूटी पत्र का परीक्षण कर उन्हें प्रवेश दिया जाए। नोडल अधिकारी ने भीषण गर्मी को देखते हुए नागरिकों से अपील की कि यदि जनगणना कर्मियों को नींबू पानी या जलपान की आवश्यकता हो तो उन्हें उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना का कार्य देशहित और जनहित से जुड़ा हुआ है तथा इसके सफल संचालन के लिए जनसहयोग बेहद आवश्यक है।

साहिबाबाद में गरजा जीडीए का बुल्डोजर: अवैध निर्माण जमींदोज, बिना नक्शा पास चल रही कमर्शियल बिल्डिंग पर ठोकी सील

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर में अवैध निर्माण और बिना मानचित्र स्वीकृत कराए चल रही व्यावसायिक गतिविधियों पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) का कड़ा प्रहार लगातार जारी है। अवैध कॉलोनियों और मानकों के विपरीत हुए निर्माण पर लगाम कसने के लिए जीडीए उपाध्यक्ष के सख्त निर्देशों पर मंगलवार को प्रवर्तन जोन-7 की टीम ने साहिबाबाद इलाके में बड़ा अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत श्याम पार्क मेन क्षेत्र में एक भूखंड पर बनाए गए अतिरिक्त तल को जमींदोज कर दिया गया, जबकि एक अन्य भूखंड पर अवैध रूप से चल रही व्यावसायिक गतिविधि को सील कर दिया गया। जीडीए के इस कड़े एक्शन से क्षेत्र के भूमाफियाओं और अवैध निर्माणकताओं में भारी हड़कंप मचा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 मई 2026 को प्रवर्तन जोन-7 के प्रभारी के नेतृत्व में प्राधिकरण की

टीम ने साहिबाबाद के श्याम पार्क मेन स्थित भूखंड संख्या-7 पर दबिश दी। यहां नियमों को ताक पर रखकर अतिरिक्त तल का अवैध निर्माण किया जा रहा था, जिसे टीम ने मौके पर ही ध्वस्त कर दिया। इसके ठीक बाद, श्याम पार्क मेन में ही स्थित भूखंड संख्या-8 पर भी कार्रवाई की गई। इस भूखंड पर बिना नक्शा पास कराए न केवल अवैध निर्माण किया गया था, बल्कि वहां खुलेआम व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन भी किया जा रहा था। जीडीए की टीम ने त्वरित कदम उठाते हुए इस पूरे परिसर को तुरंत प्रभाव से सील कर दिया।

इस सघन अभियान के दौरान किसी भी प्रकार के हंगामे या विरोध से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। ध्वस्तीकरण और सीलिंग की इस पूरी कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-7 के सहायक अभियंता, अवर अभियंता, समस्त स्टाफ के साथ-साथ प्राधिकरण का पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता पूरी तरह मुस्तैद रहा। जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि शहर में किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण को पनपने नहीं दिया जाएगा। बिना लेआउट पास कराए या मानकों के विपरीत हुए निर्माण पर प्राधिकरण का यह 'जीरो टॉलरेंस' अभियान आगामी महीनों में भी इसी सख्ती के साथ लगातार जारी रहेगा।

नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा, नाला सफाई समय से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश

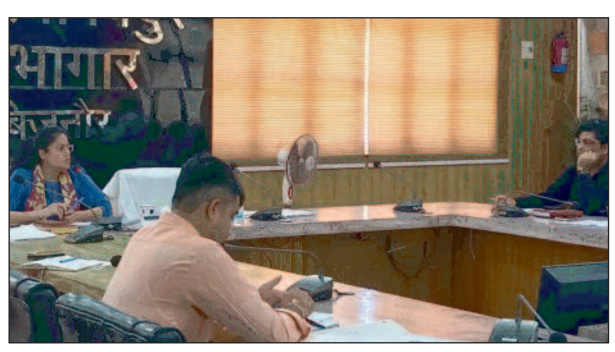

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगरीय निकायों के कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम प्रशासन श्रीमती अंशिका दीक्षित की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में गजेटियर से संबंधित सूचनाएं एवं अभिलेख आवश्यक जानकारी और तथ्यात्मक रूप में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

एडीएम प्रशासन ने अधिकारियों से कहा कि राजस्व वसूली में तेजी लाई जाए तथा नगर निकायों की आय बढ़ाने के लिए उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी नगर निकायों में चल रहे नाला सफाई अभियान की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए नाला सफाई कार्य में तेजी लाई जाए और निर्धारित समय सीमा से पूर्व सभी सफाई कार्य पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि जलभराव जैसी समस्याओं से आमजन को राहत मिल सके।

उन्होंने नगर क्षेत्रों में मच्छरों एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए नियमित रूप से स्मोक गन चलाने के भी निर्देश दिए। बैठक में निराश्रित गोवंश, स्ट्रीट डॉग तथा पीएम स्वनिधि योजना की भी समीक्षा की गई।

इस अवसर पर सभी अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पांच दिन बाद खत्म हुई पालिका कर्मचारियों की हड़ताल, एडीएम के आश्वासन पर लौटे काम पर

शामली। (शिखर समाचार)। नगर पालिका कर्मचारियों की पांच दिनों से चल रही हड़ताल मंगलवार देर शाम एडीएम के आश्वासन के बाद समाप्त हो गई। हड़ताल खत्म होते ही शहर में साफ-सफाई व्यवस्था दोबारा सुचारू कर दी गई, जिससे लोगों को गंदगी और जलभराव की समस्या से राहत मिली।

नगर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल के चलते पिछले पांच दिनों से शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए थे और नालियों की सफाई न होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा था। इससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के प्रमुख बाजार गांधी चौक, नया बाजार, बड़ा बाजार, कबाड़ी बाजार सहित मोहल्ला पंसारियान, नई बस्ती, रेलपार, आजाद चौक और कई अन्य इलाकों में कूड़ा जमा होने से स्थिति गंभीर हो गई थी।

स्वायत्त शासन कर्मचारी महासंघ एवं

उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में पहले कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया था। मांगें पूरी न होने पर सोमवार से दोनों यूनियनों के आह्वान पर कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर हड़ताल शुरू कर दी। पहले दौर की वार्ता पालिका चेयरमैन और अधिशासी अधिकारी के बीच हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। मंगलवार को भी हड़ताल जारी रहने से शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई। कई स्थानों पर कूड़ा नालियों में भर जाने से जल निकासी बाधित हो गई और गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा। आगामी ईद-उल-अजहा पर्व को देखते हुए भी सफाई व्यवस्था को लेकर संकट गहराने लगा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एडीएम सत्येंद्र सिंह, सीओ सिटी जितेंद्र कुमार और अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी कर्मचारियों के बीच पहुंचे। इस दौरान कर्मचारियों ने नगर पालिका के बढ़ते क्षेत्रफल को देखते हुए 100 आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की मांग रखी। साथ ही डोर-टू-डोर सफाई कर्मचारियों को शासनादेश के अनुसार बढ़ा हुआ वेतन देने, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को 18 हजार रुपये मासिक वेतन प्रदान करने तथा संविदा सफाई कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ देने की मांग भी उठाई।

एडीएम ने कर्मचारियों की समस्याएं सुनते हुए समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन को जिम्मेदारी सौंपते हुए आगामी दस दिनों में समस्याओं के समाधान की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। आश्वासन मिलने के बाद कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त कर कार्य पर लौटने का निर्णय लिया।

इस दौरान यूनियन अध्यक्ष अमित तेश्वर, महासचिव विनोद निर्वाल, प्रवीण कुमार वाल्मीकि, अश्वनी तेश्वर, राजन पाहिवाल, जितेंद्र टांक, धर्मेंद्र झंझोट, जोगेश पाहिवाल, जितेंद्र चंद्रा, दीपक चंद्रा, सचिन तेश्वर और संजय बिड़ला सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में सनातन मंदिर की ओर से लगाया गया शरबत सेवा शिविर, लोगों को मिली गर्मी से राहत

बिजनौर (शिखर समाचार)। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच सनातन मंदिर शक्ति नगर साईं विहार की ओर से कॉलोनी के मुख्य द्वार के बाहर छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा मीठा शरबत वितरित किया गया। सेवा शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर शरबत ग्रहण किया। इन दिनों तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। सुबह से ही गर्मी का असर शुरू हो जाता है और दोपहर होते-होते सड़कें सुनसान दिखाई देने लगती हैं। ऐसे में राहगीरों, मजदूरों और बाहर निकलने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के चलते कुछ कदम चलते ही गला सूखने लगता है तथा कई बार लोगों को चक्कर आने जैसी स्थिति भी पैदा हो जाती है। इसी को देखते हुए मंदिर समिति एवं कॉलोनीवासियों द्वारा सेवा भाव के साथ ठंडे मीठे शरबत का वितरण किया गया। सेवा शिविर में राहगीरों को रुक-रुक कर शरबत पिलाया गया, जिससे लोगों को गर्मी से काफी राहत महसूस हुई। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे मानव सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण बताया। इस दौरान आभा सोलंकी, पूनम कर्णवाल, रितिका गर्ग, अंशुल गर्ग, राजेंद्र सोलंकी, अनुपम गर्ग, हर्षित अग्रवाल, संजय गुर्जर, गौरव चौहान, कपिल कुमार, हिमांशु सेमवाल, अरुण कुमार और राहुल आदि मौजूद रहे।

उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल ने मनाया व्यापारी शहीद दिवस, दी श्रद्धांजलि

मुरादनगर (शिखर समाचार)। उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल द्वारा मंगलवार को व्यापारी आंदोलनों में शहीद हुए व्यापारियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर व्यापारी शहीद दिवस मनाया गया। नगर अध्यक्ष शहजाद चौधरी ने बताया कि 26 मई 1979 को लखनऊ के अमीनाबाद में बिक्रीकर विभाग के सर्वे और छापेमारी के विरोध में व्यापारी आंदोलन चल रहा था। आंदोलन के दौरान तत्कालीन सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 25 वर्षीय युवा व्यापारी हरीश चंद्र अग्रवाल पुलिस गोलीबारी में शहीद हो गए थे। तभी से प्रत्येक वर्ष 26 मई को व्यापारी शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल उन सभी व्यापारियों के संघर्ष, बलिदान और व्यापारी एकता व अधिकारों की लड़ाई में दिए गए योगदान को नमन करता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। मंडल कार्यालय पर उपस्थित व्यापारियों ने शहीद व्यापारियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए व्यापारिक सुरक्षा, सम्मान और एकता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राधे किशन अरोड़ा, दमयंती सिंह, अरविंद भारतीय, त्रिवेंद्र गुप्ता, नितिन शर्मा, संजय सिंघल, नितिन गोयल, बुध प्रकाश गोयल, बुध गोपाल गोयल, सुमित गर्ग, जय भगवान सिंघल, सतीश जिंदल, सतीश गोयल, उमेश अरोड़ा, सुनील नागपाल, ललित गोयल, आलोक मित्तल, श्री भगवान, अक्षय सिंघल, यासीन अंसारी, अम्बरीश कुमार, छोटे चौधरी एवं नवीन सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

ऑपरेशन लंगड़ा : इंदिरापुरम पुलिस ने 1 स्नैचर को मुठभेड़ में किया गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में पुलिस और बदमाश के बीच आमने-सामने की मुठभेड़ हुई। पुलिस ने मुठभेड़ में स्नैचिंग करने वाले एक अभियुक्त इरशाद को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में इरशाद को गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इसके कब्जे से 1 अवैध तमंचा, 1 खोखा कारतूस, 1 जिन्दा कारतूस, चोरी किये हुए 2 आईफोन और घटना में प्रयुक्त 1 मोटर साइकिल बरामद की। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि नॉर्थ इंडिया मॉल के पीछे पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान नोएडा की तरफ से एक संदिग्ध व्यक्ति बाइक पर सवार होकर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रुकने का

इशारा किया तो पुलिस को देख कर भागने लगा। पुलिस ने जब उसका पीछा किया तो वह हड़बड़ा कर गिर गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेना चाहा तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें उसके पैर में गोली लगी है। अभियुक्त की पहचान इरशाद के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ 4 आपराधिक मुकदमे दर्ज है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में राहगिरों को निशाना बनाकर मोबाइल चोरी कर लेता था। इसके अलावा सुनसान इलाके में खड़ी हुई गाड़ियों का शीशा तोड़कर उसमें से सामान चोरी कर लिया करता था। सामान चोरी करने के बाद उसे दिल्ली बेच दिया करता था।

102 एंबुलेंस में गूंजी किलकारी, जच्चा बच्चा स्वस्थ, समय पर मिली सेवा बनी वरदान, परिजनों ने की सराहना

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। प्रदेश में संचालित 102 एंबुलेंस सेवा एक बार फिर जीवनरक्षक साबित हुई। एंबुलेंस के भीतर सुरक्षित प्रसव होने के बाद नवजात शिशु की किलकारी से पूरा माहौल खुशियों से भर गया। खतौली क्षेत्र के गांव पलड़ी निवासी भुवनेश्री (21) पत्नी गौरव को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। दर्द बढ़ने पर परिजनों ने तत्काल 102 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही महिला ईएमटी प्रियंका और पायलट अतुल मौके पर पहुंचे तथा महिला को अस्पताल ले जाने लगे। रास्ते में प्रसव पीड़ा अत्यधिक बढ़ने लगी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट अतुल ने एंबुलेंस को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर रोक दिया। इसके बाद महिला ईएमटी प्रियंका ने बिना समय गंवाए डिलीवरी किट की मदद से

एंबुलेंस के भीतर ही प्रसव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। उनकी सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई के चलते महिला ने स्वस्थ नवजात शिशु को जन्म दिया। प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ बताए गए। प्राथमिक देखभाल देने के बाद उन्हें आगे के उपचार और निगरानी के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों ने सुरक्षित प्रसव कराकर मां और बच्चे की जान बचाने के लिए 102 एंबुलेंस सेवा की सराहना की। उन्होंने महिला ईएमटी प्रियंका और पायलट अतुल की तत्परता, समझदारी और सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि समय पर मिली सरकारी एंबुलेंस सेवा उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं रही। 102 एंबुलेंस सेवा लगातार जरूरतमंदों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध करा रही है। ऐसे मामलों से आम लोगों का भरोसा इस सेवा पर लगातार मजबूत हो रहा है।

चार बेटियों की मां प्रेमी संग फरार, घर से तीन लाख नकदी और लाखों के जेवर ले जाने का आरोप

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने पड़ोस के युवक पर अपनी पत्नी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि उसकी पत्नी घर में रखी करीब तीन लाख रुपये की नकदी और लाखों रुपये के जेवरात भी साथ ले गई है। मामले में पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर पत्नी की बरामदगी और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित अरुण के अनुसार उसकी शादी को 16 वर्ष हो चुके हैं और उसकी चार बेटियां हैं। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने उसकी पत्नी को अपने प्रेमजाल में फंसाया और सोमवार को उसे घर से साथ ले गया। पीड़ित का दावा है कि जाते समय पत्नी घर में रखी नकदी और जेवरात भी अपने साथ ले गई। मंगलवार को उसने पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह से मुलाकात कर तहरीर सौंपी। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना हापुड़ प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अदालती सूचना

सम्मन वास्ते करारबाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी बुढाना, मु0नगर
वाद संख्या T202609550305202 सन 2026
कंवरपाल बनाम सरकार

1. कंवरपाल पुत्र केहरी निवासी ग्राम बडौदा परगना व तहसील बुढाना जिला मु0नगर
.... प्रार्थी / वादी

बनाम

1. अमित कुमार दत्तकपुत्र मोहनलाल निवासी ग्राम बडौदा परगना व तहसील बुढाना जिला मु0 नगर।
2. प्रिया सिंह पत्नी विजयपाल सिंह निवासी ग्राम बडौदा हाल नि0 खतौली
3. मुकेशपाल पुत्र केहरी
4. मोहित कुमार पुत्र सुरेन्द्र सिंह
5. यशपाल पुत्र केहरी
6. राजकुमार पुत्र रामशरण
7. राजीव कुमार पुत्र रामशरण
निवासीगण ग्राम बडौदा
8. रामफल पुत्र अमीचन्द निवासी ग्राम बडौदा हाल नि0 दिल्ली
9. विनोद कुमार वर्मा पुत्र अमीचन्द निवासी बडौदा हाल नि0 दिल्ली
10. शुभम् नाबा0 आयु 15 वर्ष पुत्र विजयपाल सिंह निवासी बडौदा हाल नि0 खतौली
11. श्रीमती रोशनी पत्नी गिरवर सिंह
12. सुरेन्द्र सिंह पुत्र गिरवर सिंह
13. हरिसिंह पुत्र केहरी
निवासीगण बडौदा, परगना व तहसील बुढाना जिला मु0नगर

अर्न्तगत धारा 38 (2) उ0प्र0 रा0 संहिता 2006
मौजा – बडौदा

में दायरा की में लिहाजा आपको हुक्म होता है, आप बतारीख के जो 29 माह 05 सन् 2026 ई० वरवक्त 10 बजे दिन के असालतम या मारफत वकील के जो मुकदमें हालात के करार वाकिफ किया गया हो, और कुछ उमूर तहत मुत्तालिका मुकदमा का जबाब दे सके, या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो जबाब ऐसे सवालात दे सके, हाजिर और जबाबदेही दावा करें, और उसी रोज अपना जुमला गवाही को जिसकी शहादत पर निजी तमाम दस्तावेजी को जिस पर अपनी जबाबदेही की ताईद से इस्तेमाल करना चहाते हो पेश करे, अगर बरोज मजर आप हाजिर न होगें तो मुकदमा बगैर मसमूह फैसला होगा। वरक्त मेरे दस्तख्त और मोहर अदालत के आज बतारीख 26 माह 05 सन् 2026 ई० जारी किया गया।

**उपजिलाधिकारी
बुढाना (मु0नगर)**

संक्षिप्त समाचार

चैंबर एक्सीलेंस अवॉर्ड से नवाजे गए उद्यमी, संगीत पर थिरकते रहे कदम

बरेली, एजेंसी। सेंट्रल यूपी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री वेलफेयर एसोसिएशन की 61वीं वार्षिक आम सभा और चैंबर एक्सीलेंस अवार्ड-2026 का आयोजन रविवार को एक होटल में हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने उद्यमियों को औद्योगिक विकास के सुझाव दिए। अध्यक्ष राजीव सिंघल ने व्यापार व उद्योगों की प्रगति के लिए हर संभव प्रयास का वादा किया। सरकारी विभागों के समन्वय से जल्द सेमिनार आयोजन की बात कही, ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। पूर्व कोषाध्यक्ष शेखर अग्रवाल ने बीते वर्ष का आय-व्यय का ब्योरा पेश किया। सचिव अल्पित अग्रवाल ने संस्था की ओर से कराए गए सेमिनार, ऑनलाइन सभाएं, होली-दिवाली समारोह, क्रिकेट मैच, रक्तदान शिविर आदि की जानकारी दी। फिर नवनियुक्त सचिव शरद अग्रवाल और कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल ने पदभार संभाला। दोनों पदाधिकारियों ने बेहतर कार्य का भरोसा दिया। विशिष्ट अतिथि देव मूर्ति और आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने संस्था के 60 वर्षों के योगदान को रेखांकित किया। स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। यहां पूर्व अध्यक्ष किशोर कटरू, डॉ. केशव अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल, अजय शुक्ला, विमल रिवाड़ी व अन्य उद्यमी मौजूद रहे।

पांच करोड़ मिले तो 430 रोजगार सेवकों का हो भुगतान

कानपुर, एजेंसी। मनरेगा (वीबी जीरामजी) में रोजगार सेवकों को वर्ष 2020-21 से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। पांच करोड से अधिक का बकाया है। कई दूसरा काम करने को मजबूर हैं तो कई को दूसरे रोजगार की तलाश है। इधर मनरेगा के काम अटके पड़े हैं। जिले के 10 विकास खंडों में 430 रोजगार सेवक तैनात हैं। इनको मिलने वाला मानदेय वर्ष 2020-21 से वर्ष 2025-26 तक का भुगतान नहीं किया गया है। आर्थिक तंगी से गुजर रहे रोजगार सेवक समय-समय पर मानदेय का भुगतान किए जाने के लिए आवाज उठाते हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। विभाग के आंकड़ों की माने तो इन रोजगार सेवकों का 5,02,24,914 रुपया मानदेय बाकी है। इसमें सबसे अधिक अकबरपुर के 43 रोजगार सेवकों का 70,01,412 रुपये बकाया है। रोजगार सेवकों का कहना है कि मानदेय न मिलने से इनको परिवार के पालन-पोषण करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में अब दूसरे कामों की तरफ रुख करना मजबूरी हो गया है। केंद्र सरकार ने मनरेगा को वीबी जी रामजी योजना के रूप में परिवर्तित किया है। इसकी नई गाइडलाइन आना अभी बाकी है। फिलहाल अभी मनरेगा योजना ही चल रही है। वर्तमान में योजना के अधिकतर काम बंद हैं। सिर्फ प्रधानमंत्री आवास योजना और तालाबों की खोदाई का काम चल रहा है। एक तरफ जहां रोजगार सेवकों को मानदेय नहीं मिल रहा है, वहीं मनरेगा के तहत कार्य करने वाले श्रमिकों का भुगतान अटका हुआ है। इन श्रमिकों से रोजगार सेवक ही कार्य कराते हैं, लेकिन भुगतान मिलने में हो रही हीलाहवाली की वजह से यह योजना में रुचि नहीं ले रहे हैं।

दुकान में चोरी करने का दूसरा आरोपी गिरफ्तार, नकदी और बाइक बरामद

कानपुर, एजेंसी। नगर स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में चोरी कर भाग रहे एक युवक को व्यापारियों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया था। इधर घटना की छानबीन में जुटी पुलिस ने मौके से भाग निकले उसके एक साथी को नकदी व चोरी में प्रयुक्त बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं, दूसरा साथी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। रूरा थानाध्यक्ष सुधीर भारद्वाज ने बताया कि शनिवार को रूरा निवासी अनूप कुमार शर्मा ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया कि उनकी दुकान से शनिवार दोपहर डेढ़ बजे बाइक सवार तीन चोरों ने गुल्लक से 20 हजार रुपये चोरी कर लिए थे। भागने के दौरान पड़ोसी व्यापारियों ने एक चोर को पकड़ लिया था जबकि उसके दो साथी मौके से भाग निकले थे। पूछताछ में उसने अपना नाम शिवली थाना क्षेत्र के कढ़री निवासी अखिलेश उर्फ छोटू बताया था। अखिलेश से पूछताछ में मिली जानकारी पर रूरा चौकी प्रभारी विनोद कुमार ने रविवार को टीम के साथ गदनपुर श्मशान घाट के पास घेराबंदी कर कड़री निवासी सोनू उर्फ भोला को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी के दो हजार रुपये व घटना में प्रयुक्त हुई बाइक बरामद की गई है।

आगरा स्नातक सीट से भाजपा ने डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह पर फिर जताया भरोसा

अलीगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा जारी सूची में अलीगढ़-आगरा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह पर फिर से भरोसा जताते हुए दूसरी बार उम्मीदवार बनाया है। घोषणा के बाद समर्थकों में उत्साह का माहौल है। भाजपा ने इस बार स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में संगठन और शिक्षाविदों से जुड़े चेहरों पर भरोसा जताया है। आगरा स्नातक सीट के तहत अलीगढ़ समेत कई जिले आते हैं। ऐसे में डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह की उम्मीदवारी को लेकर अलीगढ़ में भी राजनीतिक हलचल तेज हो गई हैं।

प्रदेश में बिजली कटौती पर सीएम योगी सख्त

निर्बाध बिजली आपूर्ति के निर्देश, चलेंगी सभी इकाइयां

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिजली कटौती के लेकर सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा एवं राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत को हेल्पलाइन कॉल सेंटर का भौतिक निरीक्षण करने का निर्देश दिए। वह रविवार को अपने सरकारी आवास पर बिजली व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में आमजन को समयबद्ध और सही जानकारी उपलब्ध कराई जाए। शिकायत मिलने पर तत्काल निस्तारण किया जाए। यह भी बताएं कि कितने देर में आपूर्ति बहाल होगी। उन्होंने विद्युत उत्पादन क्षमता को बढ़ाने, सभी संयंत्रों में तकनीकी दक्षता तथा रखरखाव व्यवस्था को प्राथमिकता देने, ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने, तकनीकी बाधा को न्यूनतम रखने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने भविष्य की मांग को देखते हुए दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति पर विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री ने भूमिगत केबल वाले स्थलों पर खुदाई से

पूर्व सक्षम प्राधिकारी से विधिवत स्वीकृति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए ताकि विद्युत व्यवस्था बाधित न हो। मुख्यमंत्री ने सभी संभावित स्रोतों से बिजली खरीद और आपूर्ति प्रबंधन के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 15 मई से विभिन्न पावर प्लांटों में अलग-अलग कारणों से बिजली उपलब्धता प्रभावित हुई। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन द्वारा 12 राज्यों के साथ पावर बैंकिंग व्यवस्था की गई है।

फीडरवार जवाबदेही तय करने का निर्देश : बिजली वितरण व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह तथा उपभोक्ता केंद्रित बनाया जाए। उन्होंने फीडर वाइज जवाबदेही तय करने के निर्देश देते हुए कहा कि ट्रांसफॉर्मर खराब होने, फीडर बाधित होने अथवा शिकायत निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। आंधी-तूफान और अत्यधिक तापमान जैसी परिस्थितियों के बावजूद फील्ड स्तर पर त्वरित रिस्पॉन्स सिस्टम सक्रिय रखा जाए। इस दौरान बताया गया कि मई माह में आंधी तूफान से 38 सब-स्टेशन और 326 फीडर प्रभावित हुए थे।

उभोक्ता हितैषी बने स्मार्ट मीटर व्यवस्था : मुख्यमंत्री ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था को उपभोक्ता हितैषी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अब तक 89.23 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं।। जून 2026 से स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के बिल प्रत्येक माह की 1 से 10 तारीख के बीच पोस्टपेड आधार पर जारी किए जाएंगे

13,388 मेगावाट हुई प्रदेश की उत्पादन क्षमता : बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है। वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में 86 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों से लगभग 10 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन हो रहा है। 60,858 सर्किट किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइनें संचालित हैं।

प्रदेश में 715 उपकेंद्रों के माध्यम से 2,05,632 एमवीए क्षमता उपलब्ध है। ट्रांसमिशन नेटवर्क की उपलब्धता 99.30 प्रतिशत दर्ज की गई है, जबकि पारेषण हानियां घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई हैं। वर्ष 2022-23 की तुलना में पावर ट्रांसफॉर्मर क्षति में लगभग 80 प्रतिशत की कमी आई है। पीक डिमांड 29,831 मेगावाट से बढ़कर 30,339 मेगावाट तक पहुंच गया। वर्ष 2015 से 2026 के बीच प्रदेश ने कुल 32,305 मेगावाट की विद्युत क्षमता के लिए टाई-अप किए हैं। वर्ष 2029 तक मांग को पूरा करने के लिए 10,719 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिसमें विंड, बैटरी एनर्जी स्टोरेज, पंप्ड हाइड्रो और हाइब्रिड ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं।

सपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह का ताना गांव में जोरदार स्वागत

शामली (शिखर समाचार)। मंगलवार को थाना भवन क्षेत्र के गांव ताना में समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह का पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। कार्यकताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर फूल-मालाएं पहनाईं और शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर चौधरी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से एकजुट होकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया, ताकि पार्टी की नीतियों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। स्वागत कार्यक्रम के दौरान ठाकुर शेर सिंह राणा, चौधरी कलीम हसन, चौधरी शमशेर जंग, चौधरी अश्वनी गुर्जर, सतीश चेयरमैन नोजल, बबलू प्रधान, अफसरून मुखिया, अशजद जंग, बोबी चौधरी और अरशद अली चौहान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शनिदेव मंदिर में तोड़ी गई मूर्ति, सीसीटीवी में कैद संदिग्ध, कार्रवाई न होने पर बाजार बंद की चेतावनी

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा क्षेत्र स्थित शनिदेव मंदिर में मूर्ति खंडित मिलने की घटना से लोगों में आक्रोश फैल गया। मंगलवार सुबह मंदिर पहुंचे पुजारी ने मूर्ति टूटी हुई देख श्रद्धालुओं और पुलिस को सूचना दी। मामले की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध युवक मंदिर के आसपास घूमता दिखाई दिया है, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

गांधी कॉलोनी स्थित बस स्टैंड पुलिस चौकी के निकट बने शनिदेव मंदिर के पुजारी पंकज शर्मा ने बताया कि वह रोज की तरह सुबह करीब छह बजे पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे थे। मंदिर परिसर के बाहर पहुंचते ही उन्होंने देखा कि शनिदेव की मूर्ति खंडित अवस्था में पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को बुलाया गया।

पुलिस ने तत्काल आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। प्रारंभिक जांच में एक संदिग्ध युवक मंदिर के आसपास घूमता दिखाई दिया है। पुलिस अन्य कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाल रही है

ताकि आरोपी की पहचान सुनिश्चित की जा सके।

घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मनीष माहेश्वरी भी मौके पर पहुंचे और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो बाजार बंद कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। घटना के बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा। पुलिस लगातार लोगों से संवाद कर स्थिति सामान्य बनाए रखने का प्रयास करती रही।

थाना प्रभारी अतुल चौहान ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पिकअप और ऑटो की भिड़ंत में दो घायल, शिक्षा विभाग के अधिकारी ने दिखाई तत्परता

हापुड़ (शिखर समाचार)। हाफिजपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक पिकअप वाहन और ऑटो की टक्कर में दो लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके से गुजर रहे बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी ने तत्काल मदद करते हुए घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना देकर अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया।

जानकारी के अनुसार गांव चितौली अंडरपास के पास एक पिकअप वाहन गुजर रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे ऑटो की उससे टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो चालक राजेन्द्र और एक अन्य सवारी घायल हो गए। घटना के समय कार्यालय जा रहे बेसिक शिक्षा विभाग के एमडीएम प्रभारी एवं डीसी प्रदीप सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना देर किए घायलों को ऑटो से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और प्रदीप सिंह के सहयोग से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस की तत्परता से स्थिति जल्द सामान्य हो गई। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

औद्योगिक विकास पर मंथन की तैयारी

बरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने 31 मई को प्रस्तावित औद्योगिक व व्यापारिक संगठनों के युवा प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम रविवार को जारी किया। इसमें प्रदेश के चार सौ प्रतिनिधि भाग लेंगे। सुबह 10:30 से शाम पांच बजे तक पांच सत्रों में प्रशिक्षण होगा। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य एवं संगठन के प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता ने ये जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा उत्तर प्रदेश के युवा प्रांतीय पदाधिकारियों को शपथ दिलाएंगे। 31 की रात आठ बजे स्पर्श रिसॉर्ट में ट्रेड एसोसिएशन का समागम होगा। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी रहेंगे। पांच व्यापारियों को भामाशाह सम्मान मिलेगा। सत्रवार सशक्त संगठन स्वयं का विकास, युवा शक्ति के पुरुषार्थ व स्वदेशी से ही राष्ट का विकास संभव, ऑनलाइन एप, साइबर सावधानी और डिजिटल दुनिया, क्षणिक लापरवाही तिजोरी में सेंधमारी, व्यापार में उत्तरोत्तर वृद्धि कैसे हो, भारत का औद्योगिक व व्यावसायिक भविष्य विषयों पर मंथन और शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा।

गंगापुरम और नर्मदापुरम की लागत 17.52 करोड़ बढ़ी, तकनीकी जांच के बाद बोर्ड से मिली मंजूरी

आगरा, एजेंसी। आगरा के इनर रिंग रोड स्थित रायपुर और रहनकलां में विकसित होने वाले ग्रेटर आगरा की गंगापुरम और नर्मदापुरम टाउनशिप की लागत 17.52 करोड़ रुपये बढ़ गई है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की ओर से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तकनीकी जांच के बाद किए गए बदलावों के कारण लागत बढ़ी है। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) की बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

रायपुर-रहनकलां गांवों में नदियों के नाम पर 10 टाउनशिप बसाई जा रही हैं। इनमें से गंगापुरम (टाउनशिप-3) और नर्मदापुरम (टाउनशिप-7) में सड़क, नाली, सीवर लाइन, रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और चहारदीवारी आदि का निर्माण कार्य होना है। शुरुआत में कंसल्टेंट कंपनी की ओर से तैयार एस्टीमेट के आधार पर ई-निविदाएं निकाली गई थीं और न्यूनतम बोली लगाने वाली कंपनियों को कार्य आदेश जारी कर दिया गया था।

जब एएमयू के विशेषज्ञों ने डीपीआर की तकनीकी जांच की तो उन्होंने गुणवत्ता में सुधार के लिए कई बदलाव सुझाए। इसमें आरसीसी ड्रेन के सेक्शन में बदलाव, सीवर लाइन के मैनहोल में ईंटों के स्थान पर आरसीसी का इस्तेमाल करने और सड़कों की मोटाई बढ़ाने को कहा गया। इन बदलावों के कारण पूर्व में तैयार एस्टीमेट में संशोधन किया गया और लागत बढ़ गई।

एडीए उपाध्यक्ष एम. अरुनमोली ने बताया कि यदि विकास प्राधिकरणों या अन्य सरकारी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों में स्वीकृत लागत से 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी होती है, तो उसके लिए प्राधिकरण बोर्ड की मंजूरी जरूरी होती है। दोनों टाउनशिप में वृद्धि 13.64त्न और 14.17त्न है, ऐसे में संशोधित एस्टीमेट प्राधिकरण बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत कर मंजूरी ले ली गई है।

75 करोड़ हुई गंगापुरम की लागतः गंगापुरम के लिए 66.30 करोड़ रुपये की निविदा स्वीकृत हुई थी। नए बदलावों के बाद संशोधित एस्टीमेट 75.35 करोड़ हो गया है। इसमें 9.04 की वृद्धि हुई है। वहीं नर्मदापुरम में पूर्व में स्वीकृत निविदा 59.86 करोड़ की थी। अब संशोधित एस्टीमेट बढ़कर 68.34 करोड़ हो गया है। इसमें 8.48 करोड़ का इजाफा हुआ है। दोनों टाउनशिप के लिए कुल मिलाकर 17.52 करोड़ रुपये बजट बढ़ा है।

फर्जी दस्तावेज बनाकर ऋण लेने वाले गिरोह का खुलासा, पिता-पुत्र गिरफ्तार

बरेली, एजेंसी। बारादरी थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बनाकर बैंकों से कार लोन लेने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से चार लग्जरी कारों के साथ ही फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। इस मामले में बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत भी सामने आई है, जांच में उनके खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है। थाना बारादरी के प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को रात में सूचना मिली कि 99 बीघा मैदान पर फर्जी ऋण से खरीदी गई गाड़ियां बेचने की तैयारी है। पुलिस टीम ने मोहम्मद शमी उर्फ शेरा और उसके बेटे मोहम्मद सैराब को मौके से गिरफ्तार किया। मौके चार महंगी गाड़ियां मिलीं।

आरोपियों के पास से फर्जी आय प्रमाणपत्र और निवास प्रमाणपत्र भी बरामद हुए। पूछताछ में सैराब ने बताया कि वह अपने पिता और बैंक कर्मचारी रविंद्र कुमार निश्छल के साथ मिलकर काम करते थे। वे फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैंकों से कार लोन पास कराते थे। आरोपियों ने अब तक सात गाड़ियां फर्जी तरीके से खरीदी थीं। इनमें से कई गाड़ियां दूसरे राज्यों में बेची जा चुकी हैं।

बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत से हो रहा था खेल : पुलिस जांच में बैंक कर्मचारी रविंद्र कुमार निश्छल का नाम सामने आया है। वह आरोपियों के साथ मिलकर फर्जी आय और निवास प्रमाणपत्र तैयार करने में मदद करता था। इन्हीं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंकों से कार लोन आसानी से मिल जाता था।

नेटवर्क की जांच तेज : एएसपी शिवम आशुतोष ने बताया कि पुलिस को शहर में फर्जी लोन पर एक बड़े नेटवर्क के सक्रिय होने का पता चला है। यह गिरोह महंगी गाड़ियां और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण फाइनेंस पर लेता था। फिर उन्हें कम कीमत में बेच देता और किस्त जमा नहीं करता था। इससे बैंक और फाइनेंस कंपनियों को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े आरोपियों और बैंक कर्मचारियों की तलाश कर रही है।

विवाहिता के अश्लील फोटो फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर वायरल, प्राथमिकी दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र के सलारपुर कलां गांव की एक विवाहिता के अश्लील फोटो फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर वायरल करने तथा मुकदमा वापस लेने के लिए धमकाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जारचा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि सलारपुर कलां निवासी नेहा शर्मा की शादी 30 जून 2020 को दादरी के ब्रह्मपुरी मोहल्ला निवासी ऋषभ मिश्रा के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। परेशान होकर पीड़िता ने वर्ष 2023 में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाते हुए आरोपी पति आए दिन गाली-गलौज और अशोभनीय भाषा का प्रयोग करता था। इतना ही नहीं, पीड़िता के पिता और भाई को फोन कर अभद्रता तथा अश्लील बातें भी कही जाती थीं।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके अश्लील फोटो फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए गए। विरोध करने पर आरोपी द्वारा मुकदमा वापस लेने, बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। लगातार मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर पीड़िता ने जारचा कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी ऋषभ मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाल मन को समझना ही श्रेष्ठ शिक्षण की पहचान : शिव कुमार शर्मा

शामली (शिखर समाचार)। सरस्वती शिशु मंदिर बुढाना रोड शामली में आयोजित नवीन आचार्य वर्ग के तृतीय दिवस का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना एवं अग्निहोत्र के साथ श्रद्धापूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या पल्लवी ऐरन, ममता शर्मा, संचालन टोली सहित बड़ी संख्या में बहनों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में अमिता दीदी ने अग्निहोत्र संपन्न कराते हुए उसके आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान भैया-बहनों द्वारा "हंस किसका" नाटिका की आकर्षक प्रस्तुति भी दी गई, जिसे उपस्थितजनों ने सराहा।

प्रथम सत्र में ममता शर्मा ने "शिशु वाटिका का अवलोकन" विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि खेल-खेल में बच्चों को सरल, सहज और रोचक तरीके से शिक्षा प्रदान की जा सकती है। द्वितीय सत्र में शिव कुमार शर्मा ने "बाल मनोविज्ञान" विषय पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि बच्चों के व्यवहार, भावनाओं और सीखने की प्रक्रिया को समझे बिना प्रभावी शिक्षण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि बाल मन को समझना ही श्रेष्ठ शिक्षण की पहचान है।

रीता अग्रवाल ने शिक्षण सामग्री निर्माण पर विस्तार से जानकारी दी, जबकि ब्रजेश ने शैक्षिक खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि खेल बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सहयोग की भावना विकसित करते हैं।

कार्यक्रम में लगभग 110 बहनों की उपस्थिति रही। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण ज्ञानवर्धक, अनुशासित और उत्साहपूर्ण बना रहा।

एडीएम प्रशासन की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, हादसों में होने वाली मृत्यु दर को कम करने तथा यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक बनाने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं बल्कि कानूनी और सामाजिक जिम्मेदारी भी है। जनपद में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर नियमित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध स्टैंड, अवैध पार्किंग, ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट) को चिन्हित कर उनमें अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं। अवैध कटों को बंद करने तथा सड़क सुरक्षा संकेतकों को बेहतर बनाने पर भी विशेष बल दिया गया। एडीएम प्रशासन ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केवल प्रवर्तन कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना भी अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक इकाइयों

तथा सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएं, ताकि हेलमेट, सीट बेल्ट, निर्धारित गति सीमा तथा ट्रैफिक नियमों के पालन के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाई जा सके। बैठक में हिट एंड रन मामलों की समीक्षा करते हुए एडीएम प्रशासन ने निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित नियमावली के अनुसार गठित समिति के माध्यम से सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र परीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि पीड़ित परिवारों को समयबद्ध तरीके से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में पीएम राहत (कैशलेस उपचार) योजना की विशेष रूप से समीक्षा की गई। एडीएम प्रशासन ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के लिए शुरुआती ह्गोल्डन ऑवरह सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि दुर्घटना पीड़ित को समय रहते तत्काल उपचार मिल जाए तो अनेक लोगों की जान बचाई जा सकती है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना-2025 के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को सूचीबद्ध अस्पतालों में अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक का निशुल्क कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाता है। योजना का उद्देश्य दुर्घटना के बाद तत्काल उपचार सुनिश्चित कर मृत्यु दर को कम करना है। एडीएम प्रशासन ने कहा कि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र दुर्घटना पीड़ित तक पहुंचे, इसके लिए अस्पतालों, ट्रॉमा सेंटरों, एंबुलेंस सेवाओं, पेट्रोल पंपों तथा सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता संबंधी होर्डिंग, पोस्टर एवं सूचना बोर्ड लगाए जाएं। साथ ही सोशल मीडिया, जनसंपर्क कार्यक्रमों तथा विशेष जागरूकता अभियानों के माध्यम से भी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में पीड़ितों को तत्काल राहत एवं उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक के दौरान एडीएम प्रशासन ने प्राधिकरणों, लोक निर्माण विभाग तथा सड़क निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद की प्रमुख सड़कों एवं यातायात प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण करते हुए होल्डिंग एरिया चिन्हित किए जाएं, जिससे यातायात के सुचारू संचालन में सुविधा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि चिन्हित स्थलों का विस्तृत प्रस्ताव एवं रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराई जाए, ताकि यातायात व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाया जा सके तथा जाम की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

डीआईजी मेरठ रेंज ने किया थाना इंचौली का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस कार्यप्रणाली की समीक्षा

मेरठ (शिखर समाचार)। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने मंगलवार को जनपद मेरठ के थाना इंचौली का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अभिजीत कुमार तथा सहायक पुलिस अधीक्षक बजरंग प्रसाद सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, बैरक, भोजनालय, मालखाना, बंदी गृह, विवेचना कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, आगंतुक कक्ष, सीसीटीएनएस, आईजीआरएस, साइबर हेल्प डेस्क और मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर अभिलेखों की जांच की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। डीआईजी ने सहायक पुलिस अधीक्षक बजरंग प्रसाद के थाना प्रभारी के रूप में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने थाने के उच्चीकरण और पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए किए गए प्रयासों को प्रशंसनीय बताया। लंबित विवेचनाओं की विवेचकवार समीक्षा करते हुए डीआईजी ने समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। वर्तमान में थाने में 60 विवेचनाएं लंबित हैं। विवेचनाओं के संतोषजनक निस्तारण पर थाना प्रभारी की प्रशंसा भी की गई। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रहरियों और बीट आरक्षियों से संवाद कर उन्हें गांव और मोहल्लों में होने वाली गतिविधियों पर सतर्क नजर रखने तथा छोटी से छोटी सूचना तत्काल पुलिस तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। बीट पुलिस और ग्राम प्रहरियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

यक्ष ऐप, ई सम्मन और ई साक्ष्य ऐप पर फीडिंग और तामीला कार्यवाही की समीक्षा करते हुए डीआईजी ने संबंधित अधिकारियों से सुझाव भी लिए। यक्ष ऐप पर उत्कृष्ट फीडिंग और बीट संबंधी जानकारी रखने पर आरक्षी अंकुर शर्मा को पुरस्कृत किया गया। हाल ही में प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे नवागत आरक्षियों से संवाद करते हुए डीआईजी ने उन्हें अनुशासन में रहकर लगन और निष्ठा के साथ कार्य करने की सीख दी। बकरीद पर्व को लेकर डीआईजी ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यालय, एडिशनल और क्षेत्राधिकारी स्तर पर क्यूआरटी और रिजर्व टीम तैयार रखने, मिश्रित और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त बढ़ाने तथा एंटी राइट उपकरण तैयार रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली मजबूत करने, एंटी रोमियो स्क्वाड को सक्रिय बनाने, महिला संबंधी शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारित करने, भूमि विवादों पर त्वरित कार्रवाई करने और समाधान दिवस में आने वाले फरियादियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

लापरवाही पर सख्त दिखे डीएम आलोक यादव, ट्रांजिट हॉस्टल में विभागीय व्यवस्थाओं की परखी हकीकत

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव मंगलवार को बनत स्थित ट्रांजिट हॉस्टल पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न विभागीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीएम ने डूडा, जिला प्रोबेशन अधिकारी, सहायक श्रमायुक्त तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों के रखरखाव, साफ-सफाई और संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लंबित आवेदनों की जानकारी ली। नगर पंचायत गढ़ीपुख्ता में सबसे अधिक आवेदन लंबित मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तिथिवार जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना तथा निराश्रित महिला पेंशन योजना की समीक्षा करते हुए लाभार्थियों का पुनः सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा वन स्टॉप सेंटर और बाल कल्याण समिति कक्ष का निरीक्षण कर वहां महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, कार्यालयों में साफ-सफाई बनाए रखने और जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर डीएम आलोक यादव तथा डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

नकली आईएसआई मार्क लगे हेलमेट बनाने वाली इकाई पर भारतीय मानक ब्यूरो की छापेमारी, 300 से अधिक हेलमेट जब्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) गाज़ियाबाद शाखा कार्यालय की टीम ने मंगलवार को लोनी स्थित एक निजी फर्म पर नकली आईएसआई मार्क लगे हेलमेट निर्माण के मामले में छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। यह कार्रवाई भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के उल्लंघन की सूचना मिलने पर प्रवर्तन अभियान के तहत की गई। बीआईएस अधिकारियों ने बताया कि दिनांक 26 मई 2026 को दोपहर में लोनी क्षेत्र स्थित उक्त निर्माण इकाई पर तलाशी एवं जब्ती (सर्च एंड सीजर) अभियान चलाया गया। कार्रवाई बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा-28 के अंतर्गत की गई, जिसमें उप निदेशक राजेन्द्र कुमार पलसानिया, उप निदेशक प्रशांत यादव, सहायक निदेशक राज

कुमार सहित गाज़ियाबाद शाखा कार्यालय की टीम शामिल रही। तलाशी के दौरान निर्माण इकाई में भारतीय मानक ब्यूरो के मानक चिन्ह (आईएसआई मार्क) के दुरुपयोग का मामला सामने आया। टीम ने विभिन्न ब्रांड नामों से चिह्नित 300 से अधिक हेलमेट जब्त किए। गाज़ियाबाद शाखा कार्यालय की प्रमुख जी. भवानी ने बताया कि संबंधित फर्म के खिलाफ बीआईएस अधिनियम, 2016 के अंतर्गत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अधिनियम की धारा-29 के अनुसार प्रथम उल्लंघन की स्थिति में यह अपराध दो वर्ष तक के कारावास अथवा न्यूनतम दो लाख रुपये के जुमार्ने से दंडनीय है। जुमार्ने की राशि संबंधित वस्तुओं के मूल्य के दस गुना तक बढ़ाई जा सकती है अथवा दोनों दंड एक साथ भी दिए जा सकते हैं। बीआईएस ने आम जनता से अपील की है कि वे आईएसआई मार्क वाले उत्पाद खरीदने से पहले उनकी प्रामाणिकता बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से अवश्य जांचें। यदि कहीं आईएसआई मार्क के दुरुपयोग की जानकारी मिले तो इसकी सूचना भारतीय मानक ब्यूरो, गाज़ियाबाद शाखा कार्यालय, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र स्थित कार्यालय में दें। शिकायत ई-मेल gzbo@bis.gov.in अथवा BIS CARE ऐप के माध्यम से भी दर्ज कराई जा सकती है। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

तेंदुए का आतंक : कुत्ते को बनाया निवाला, दहशत में ग्रामीण ; वन विभाग पर लापरवाही के आरोप

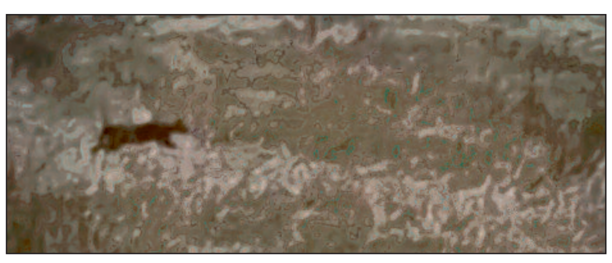

हापुड़ (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में तेंदुए की लगातार बढ़ती गतिविधियों ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। नवादा गांव में सोमवार देर रात तेंदुआ खेतों से निकलकर चकमार्ग पर पहुंच गया और एक कुत्ते को अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद इलाके में भय का माहौल है, जबकि ग्रामीण वन विभाग पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहे हैं। तेंदुए का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में दहशत और बढ़ गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुत्ते के चीखने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन लोगों की आहट मिलते ही तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। फार्म हाउस पर कार्यरत गुलशन, बब्बू और वीरेन्द्र ने बताया कि पिछले करीब एक सप्ताह से तेंदुआ आसपास के क्षेत्र में घूमता दिखाई दे रहा है, जिससे खेतों और जंगल की ओर जाने वाले लोगों में डर बना हुआ है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जंगल क्षेत्र में कांबिंग अभियान चलाया, लेकिन तेंदुए का कोई सुराग नहीं मिल सका। वन क्षेत्राधिकारी करन सिंह ने बताया कि क्षेत्र में तेंदुए के दिखने की लगातार सूचनाएं मिल रही हैं और विभाग की टीमें निगरानी व गश्त कर रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए को जल्द पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, क्योंकि उसकी मौजूदगी लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी सिम्भावली क्षेत्र के धनपुरा और बुकलाना के जंगलों में तेंदुए के हमले की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। एक घटना में बाइक सवार दंपती पर तेंदुए ने झपट्टा मारा था, जबकि खेतों से लौट रहे किसानों पर भी हमला किया गया था। लगातार सामने आ रही घटनाओं से ग्रामीणों में भारी दहशत व्याप्त है।

आग का तांडव : इन्वर्टर-बैटरी की दुकान में भीषण आग, स्थानीय लोगों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

हापुड़ (शिखर समाचार)। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के कुचेसर चौपला स्थित एक इन्वर्टर-बैटरी की दुकान में सोमवार देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। समय रहते स्थानीय लोगों द्वारा आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया, अन्यथा आसपास की कई दुकानों को भी नुकसान पहुंच सकता था।

जानकारी के अनुसार कुचेसर चौपला स्थित राज बैटरी इन्वर्टर दुकान से देर रात धुआं निकलता दिखाई दिया। उस समय दुकान बंद थी और संचालक हरिओम त्यागी तथा संदीप त्यागी उर्फ राजू अपने गांव माधापुर जा चुके थे। राहगीरों ने दुकान से धुआं उठता देख तत्काल दुकान मालिकों और स्थानीय लोगों को सूचना दी।

सूचना मिलते ही आसपास के व्यापारी और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने तुरंत दुकान का शटर खुलवाया और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कुछ देर और हो जाती तो आग विकराल रूप धारण कर आसपास की दुकानों तक फैल सकती थी।

घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। आग से दुकान में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया, जिससे दुकानदार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

गीता यूनिवर्सिटी में 29 मई को होगा मेधावी छात्र सम्मान समारोह

शामली (शिखर समाचार)। गीता यूनिवर्सिटी, गीता इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 29 मई 2026 को गीता यूनिवर्सिटी पानीपत परिसर में मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में शामली जनपद के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। मंगलवार को शामली में आयोजित पत्रकार वार्ता में गीता यूनिवर्सिटी के विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. जसकरण सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें उच्च शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के सभी पात्र विद्यार्थी समारोह में भाग ले सकेंगे। उन्होंने जानकारी दी कि 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 31 हजार रुपये, 90 से 94.99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वालों को 21 हजार रुपये तथा 75 से 89.99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 11 हजार रुपये के पुरस्कार वाउचर प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा समारोह में भाग्यशाली ड्रॉ का भी आयोजन होगा, जिसमें विद्यार्थी मोबाइल फोन

एवं स्मार्ट घड़ी जीत सकेंगे।

डॉ. जसकरण सिंह ने बताया कि समारोह के दौरान विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन, उच्च शिक्षा के अवसरों तथा गीता यूनिवर्सिटी में संचालित विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हमेशा से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य करता रहा है। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक शामली अमित पारचा एवं राहुल सिंह भी मौजूद रहे।

कथित गौशाला की जांच की मांग को लेकर हिन्दू रक्षा दल ने सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। हिन्दू रक्षा दल के पदाधिकारियों ने मंगलवार को तहसील पहुंचकर एसडीएम सदर को ज्ञापन सौंपते हुए गांव बलवा स्थित एक कथित गौशाला की जांच कर कार्रवाई की मांग की। संगठन पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि गांव बलवा बाईपास रोड पर संचालित कथित गौशाला के नाम पर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की जा रही है तथा गौवंशों की तस्करी किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

ज्ञापन में कहा गया कि गोवर्धन उर्फ गौतम आर्य, सुशील, अमित एवं श्रीपाल वर्ष 2001-02 से गौशाला के नाम पर दान और चंदा एकत्र कर अवैध संपत्ति बना रहे हैं। आरोप है कि गौवंशों को अमानक तरीके से रखा जाता है तथा उनका सही

रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं है।

संगठन ने दावा किया कि विभिन्न विभागीय जांचों में भी गौशाला के पंजीकरण एवं अभिलेखों में अनियमितताएं सामने आई हैं। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि गौशाला में क्षमता से अधिक गौवंश रखे गए थे, जिनमें से कुछ गौवंशों को पूर्व में गौ संरक्षण केंद्र भेजा जा चुका है। साथ ही बिजली चोरी एवं सरकारी योजनाओं के दुरुपयोग के आरोप भी लगाए गए हैं।

हिन्दू रक्षा दल के पदाधिकारियों ने प्रशासन से कथित अवैध संपत्ति की जांच कर कार्रवाई करने, फर्जी गौशाला संचालन बंद कराने तथा आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग की है।

किशोर हत्या कांड में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंच रहे नेता

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव बनवारीबास में हुई नाबालिग किशोर की हत्या का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। घटना को लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित परिवार से मिलने विभिन्न राजनीतिक दलों, किसान संगठनों तथा सामाजिक संगठनों के नेता लगातार पहुंच रहे हैं और परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दे रहे हैं। वहीं पीड़ित परिवार ने भारतीय जनता पार्टी के एक बड़े नेता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि जांच में कई महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं और जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार गांव बनवारीबास निवासी 14 वर्षीय किशोर गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुटे रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। शुक्रवार देर रात गांव के पास बने एक कमरे में किशोर का शव बरामद हुआ। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने किशोर के साथ कुकर्म के बाद हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। घटना के लगभग एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से ग्रामीणों और परिजनों में रोष बना हुआ है। इसी बीच समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी समेत कई किसान संगठनों के प्रतिनिधि पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। जेवर नगर पंचायत अध्यक्ष पहलवान नारायण माहेश्वरी ने भी परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। परिवार का आरोप है कि मामले में प्रभावशाली लोगों का संरक्षण मिलने के कारण कार्रवाई में देरी हो रही है। वहीं पुलिस की कई टीमें बुलंदशहर, खुर्जा, अलीगढ़ तथा हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर गांव से फरार चल रहे संदिग्ध लोगों की तलाश में जुटी हुई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच तेजी से चल रही है और जल्द ही पूरे मामले का पदार्फाश कर दिया जाएगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार पिता पुत्र की मौत, महिला गंभीर घायल

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव चचूरा के पास मंगलवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार पिता पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को गंभीर अवस्था में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार अलीगढ़ जिले के गांव मानपुर निवासी ओमप्रकाश अपनी पत्नी देवेंद्री और बेटे अंकित के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर ग्रेटर नोएडा के गांव घोड़ी बझेड़ा से रिश्तेदार की तेरहवीं से वापस अपने गांव लौट रहे थे। जब उनकी बाइक गांव सुबरा और चचूरा के बीच नहर पटरी मार्ग पर पहुंची, तभी ओवरटेक करते समय बाइक आगे चल रहे डंपर से पीछे से टकरा गई। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को ककोड़ के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने ओमप्रकाश (51) और अंकित (22) को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल देवेंद्री (47) को बुलंदशहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मुठभेड़ के बाद बदमाश गिरफ्तार, कब्जे से तमंचा, कारतूस व वैगनआर कार बरामद

दादरी (शिखर समाचार)। दादरी कोतवाली क्षेत्र में पेरीफेरल एक्सप्रेसवे स्थित चिटहेरा गांव नहर पुल के समीप पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद वैगनआर कार सवार एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त वैगनआर कार बरामद की गई है। फरार बदमाशों की तलाश में पुलिस कांबिंग कर रही है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि अमरोहा जनपद के बदौनिया गांव निवासी अनुज कुमार मथुरा जनपद में आरक्षी पद पर तैनात हैं। बीती 20 मई को वह नोएडा सेक्टर-62 से जोया जाने के लिए सवारी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान वैगनआर कार में सवार तीन लोगों ने उन्हें बैठा लिया। आरोप है कि दादरी कोतवाली क्षेत्र के बोड़की गांव के समीप आरोपितों ने उनके साथ मारपीट कर लूटपाट की और कार से धक्का देकर फरार हो गए। घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई थी। मंगलवार देर रात पुलिस पेरीफेरल एक्सप्रेसवे के पास चिटहेरा गांव नहर पुल पर जांच कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध वैगनआर कार आती दिखाई दी। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर कार चालक रंजीत कुमार ने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करते हुए फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की, जिसमें रंजीत कुमार के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। मौके का फायदा उठाकर कार में सवार उसके दो साथी अंधेरे में फरार हो गए। पुलिस ने घायल बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त कार बरामद कर ली। फरार बदमाशों की तलाश में लगातार कांबिंग अभियान चलाया जा रहा है।

बकरा चोरी और कुंडल लूट का खुलासा, तीन नाबालिग समेत चार आरोपी दबोचे

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना पुलिस ने बकरा चोरी और महिला से सोने के कुंडल लूटने की वारदात का खुलासा करते हुए तीन नाबालिगों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए दो बकरे, सोने का कुंडल, एक बाइक, एक एक्टिवा, तमंचे, कारतूस और चाकू बरामद किए हैं। सीओ पिलखुवा अनीता चौहान ने बताया कि 22 मई को पिपलेड़ा गांव में एक महिला से सोने के कुंडल लूट लिए गए थे, जबकि ईद के लिए खरीदे गए दो बकरे भी चोरी कर लिए गए थे। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार जांच कर रही थी। चेकिंग के दौरान रावली नहर पुल के पास से तीन नाबालिगों और बुलंदशहर निवासी अरमान को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी अरमान पर चोरी, लूट, अवैध हथियार रखने और हत्या के प्रयास सहित 17 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसने पूछताछ में बताया कि वह आर्थिक लाभ के लिए बकरियां चोरी कर बेच देता था और सुनसान रास्तों पर महिलाओं को निशाना बनाकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेजते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गांजा तस्कर गिरफ्तार, कब्जे से सवा किलो गांजा बरामद

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी पुलिस ने रेलवे रोड स्थित श्मशान घाट के समीप जांच अभियान के दौरान एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सवा किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस टीम रेलवे रोड स्थित श्मशान घाट के पास जांच कर रही थी। इसी दौरान गौतमपुरी मोहल्ला निवासी सोनू उर्फ डोंटा प्लास्टिक का थैला लेकर खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को संदिग्ध प्रतीत होने पर उसकी तलाशी ली गई तो थैले से सवा किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपी गांजे के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस उसे गिरफ्तार कर कोतवाली ले आई, जहां उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई।

संपादकीय

जनसंख्या असंतुलन पर राष्ट्रीय बहसः आंकड़ों से आगे बढ़कर समाधान की जरूरत

भारत में जनसंख्या केवल एक सांख्यिकीय विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संतुलन, राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों के वितरण और लोकतांत्रिक संरचना से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील प्रश्न बन चुका है। बीते कुछ वर्षों में अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसंख्या संरचना में तेजी से बदलाव, और विभिन्न समुदायों के बीच असामान्य जनसंख्या वृद्धि दर को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक बहस होती रही है। अब केंद्र सरकार ने इस मुद्दे को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हाल ही में सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी गई जानकारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार इस विषय को केवल राजनीतिक बहस नहीं, बल्कि भविष्य की राष्ट्रीय चुनौती के रूप में देख रही है। गृह मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2025 को घोषित हाई-लेवल कमिटी अब सक्रिय रूप से देशभर में हो रहे असामान्य जनसंख्या बदलाव का अध्ययन करेगी। यह समिति अवैध घुसपैठ, सीमा पार से जनसंख्या दबाव, और धार्मिक एवं सामाजिक समुदायों के स्तर पर हो रहे बदलावों का विश्लेषण कर समाधान भी सुझाएगी। यह घोषणा ऐसे समय आई है जब देश के कई राज्यों में जनसांख्यिकीय बदलाव को लेकर राजनीतिक तनाव और सामाजिक चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। दरअसल, भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जनसंख्या का प्रश्न केवल संख्या का प्रश्न नहीं है। यह इस बात से भी जुड़ा है कि किस क्षेत्र में किस गति से बदलाव हो रहा है, उसके पीछे आर्थिक, सामाजिक या अवैध कारण क्या हैं, और उसका स्थानीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। सीमावर्ती राज्यों में लंबे समय से यह आरोप लगते रहे हैं कि अवैध घुसपैठ ने स्थानीय संसाधनों, रोजगार, भूमि और सामाजिक संरचना पर दबाव बढ़ाया है। कई बार यह मुद्दा चुनावी भाषणों में उभरता है, लेकिन पहली बार केंद्र सरकार इसे संस्थागत अध्ययन के माध्यम से समझने की दिशा में बढ़ती दिखाई दे रही है। हालांकि इस पूरे विषय को केवल राजनीतिक दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता और सामाजिक सहअस्तित्व रही है। इसलिए किसी भी प्रकार की जनसंख्या बहस यदि संवेदनशीलता और तथ्यों के बजाय भावनाओं तथा ध्रुवीकरण के आधार पर चलेगी, तो उसका नुकसान सामाजिक सौहार्द को होगा। यही कारण है कि प्रस्तावित समिति की जिम्मेदारी केवल आंकड़े जुटाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसे वैज्ञानिक, निष्पक्ष और संवैधानिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। यदि किसी क्षेत्र में जनसंख्या असंतुलन के पीछे आर्थिक पलायन, रोजगार की तलाश या बेहतर जीवन की आकांक्षा जैसे कारण हैं, तो उन्हें भी समझना आवश्यक है। हर बदलाव को केवल सुरक्षा के चश्मे से देखना समाधान नहीं दे सकता। इसके साथ ही यह भी सच है कि अवैध घुसपैठ किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिए गंभीर चिंता का विषय होती है। दुनिया के लगभग सभी देश अपनी सीमाओं की सुरक्षा और नागरिक पहचान को लेकर कठोर कानून बनाते हैं। भारत की खुली लोकतांत्रिक व्यवस्था और विशाल भूगोल के कारण यह चुनौती और जटिल हो जाती है। यदि किसी क्षेत्र में बिना वैध दस्तावेजों के बड़ी संख्या में बाहरी आबादी बसती है, तो उसका असर स्थानीय प्रशासन, कल्याणकारी योजनाओं, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। इसलिए इस विषय पर चर्चा को राष्ट्रविरोधी या सांप्रदायिक कहकर पूरी तरह खारिज करना भी व्यावहारिक दृष्टिकोण नहीं माना जा सकता। लेकिन यहां सबसे बड़ा प्रश्न सरकार की नीयत से अधिक उसकी कार्यप्रणाली का होगा। क्या समिति के निष्कर्ष पारदर्शी होंगे? क्या अध्ययन के दौरान केवल चुनिंदा क्षेत्रों या समुदायों को केंद्र में रखा जाएगा, या पूरे देश की स्थिति का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण होगा?

~ मौलिक चिंतन ~

अति स्वाभिमान भी व्यक्ति को अभिमानी बना देता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरूआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया। शुरूआत और संस्थापकः इसकी शुरूआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं। विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया। सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है। मुख्य मांग और विवादः इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे। बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है। अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टे-केगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरूआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरूआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा। इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं। यहां यह भी बता देंकि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी।

जनजातीय धर्मभक्ति की ज्वाला से बढ़ा दिल्ली का तापमान

तरुण विजय

लाल किले के प्राचीर से भारत वर्ष के कोने कोने से आये लाखों जनजातीय समाज के लोगों ने अपने धर्म, संस्कृति की रक्षा, हेतु जो हुंकार भरी उसकी अनुगूंज वर्षों वर्षों तक कायम रहेगी। सर्वाधिक मंत्रमुग्ध करने वाला प्रभावशाली विचारोत्तेजक सम्बोधन था भारत के गृहमंत्री अमित शाह का जिन्होंने निर्भीक स्पष्टता से भारतीय जनजातीय समाज की धर्मरक्षा, संस्कृतिरक्षा की बात की। वह अभूतपूर्व और असाधारण बात थी और उन्होंने लाखों जनजातीय बंधुओं-बहनों को एक प्रकार से रोमांचित कर दिया। उनके यह शब्द वर्षों तक याद किए जाएंगे कि भगवान बिरसा मुंडा को तो मैंने नहीं देखा लेकिन आज जो यहाँ जनजातीय समाज का सागर उमड़ पड़ा है मैं उन में बिरसा मुंडा के दर्शन कर रहा हूँ और यह जनजातीय सांस्कृतिक समागम बिरसा मुंडा के उलगुलान (परिवर्तन हेतु जन क्रांति) के बाद का पहला समागम है। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी भी कोई धर्मरक्षा संस्कृतिरक्षा का समागम नहीं हुआ।

इन शब्दों ने जो साहस दिया, जनजातियों का जो मनोबल बढ़ाया उसकी कोई तुलना नहीं है। यह समागम एक प्रकार से जनजातीय वहाँ महा कुंभ था जिसमें सात सौ से अधिक जनजातियों के लोग आए जो जैसलमेर से लेकर लद्दाख, तवांग अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, त्रिपुरा से लेकर अंडमान निकोबार, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल झारखंड से, छत्तीसगढ़- सब जगह से।

ऐसा देश ने कभी देखा नहीं और दिल्ली के सद्भावी नागरिकों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और हर घर में इन जनजातीय भाई-बहनों को रुकवाया गया। उनकी सेवा की, उनको भोजन, पानी दिया उनको स्टेशन से लाए और छोड़ने गए। ऐसा दिल्ली ने कभी दृश्य देखा नहीं। दिल्ली का हृदय कितना बड़ा है वह इस समागम के आतिथ्य से पता चला। दिल्ली के राष्ट्रवादी कार्यकताओं ने इस जनजातीय बंधू बहनों का इतना सुंदर सत्कार किया कि उसको व्यक्त करना संभव नहीं है।

जो भी जनजातीय समाज छोड़कर ईसाई बनता है, कन्वर्टेड होता है उसको जनजातीय समाज की सूची यानी शेड्यूल ट्राइब सूची से बहार निकल कर मूल जनजातियों को बचाइए क्योंकि धर्मान्तरण करने वाला जनजातीय रह ही नहीं जाता है। जनजाति समाज के वरिष्ठ इंजीनीयर, पद्मश्री से अलंकृत अरुणाचल के प्रसिद्द वैचारिक अग्रणी तिची गुबिन ने कहा कि वहाँ अरुणाचल क्रिस्चियन फोरम है। उसके नेताओं ने खुले आम सोशल मीडिया पर धमकी दी है कि वे पूरे अरुणाचल को ईसाई लैंड बनाएंगे, क्रिस्चियन लैंड बनाएंगे। गुबिन ने मांग की है कि हमारे धर्म की रक्षा की जाए और जो भी हमारे समाज को छोड़कर ईसाई होता है उसको शिड्यूल ट्राइब की लिस्ट से डीलिस्ट किया जाए।

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। हम इस कनवर्जन के राक्षस से भी लड़ सकते हैं और इस राक्षस को हम समाप्त करेंगे।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में इस समागम का आयोजन हुआ। यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा गैर ईसाई जनजातीय संगठन है। देश भर में वनवासी कल्याण आश्रम के सत्रह हजार से अधिक प्रकल्प चलते हैं, जिनमें छात्रावास, आरोग्य केंद्र, विद्यालय, धर्मजागरण मंच, खेलकूद केंद्र, शामिल हैं। इसके कार्यकताओं में आईआईटी के स्नातक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, जे एनयू, दिल्ली विश्विद्यालय के प्राध्यापक, महिला अधिकार रक्षा संगठनों के प्रमुख, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अनेक मंत्री, सांसद आदि सब सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अध्यक्ष राजस्थान के भील जनजाति से सतेंद्र सिंह हैं, जिनका धाराप्रवाह सम्बोधन मुर्दों में भी जान फूंक देता है। इसी प्रकार संगठन के प्रमुख कार्यकताओं पदाधिकारियों में अतुल जोग, भगवान सहाय, प्रमोद पेठकर, हर्ष चौहान, तेचि गुबिन जैसे अत्यंत श्रेष्ठ विद्वान हैं परन्तु वे कभी भी सामने आते नहीं, शांत निर्विकार भाव से अचीन्हे अनजान रहकर जनजाति रक्षा और विकास के कार्य में लगे रहते हैं। उन्ही की और इंगित करते होते अमित शाह ने अपने सम्बोधन में कहा कि जनजाति समाज का हमारे प्रति इतना विश्वास है कि हाल ही के बंगाल चुनावों में प्रदेश की सोलह में से सोलह जनजातीय सीटें भाजपा ने जीतीं हैं।

लाल किले के जनजातीय समागम में मणिपुर, अरुणाचल, नागालैंड और असम की बहनों ने इतना सुंदर वंदे भारतम गाया की सब चकित रह गए। इस समागम की गूंज आने वाले वर्षों तक केवल गूंजती हे नहीं रहेगी बल्कि इसका असर होगा और भारत सरकार को बाध्य होना पड़ेगा कि वह धर्मान्तरित होने वाले तमाम जनजातीय लोगों को डी लिस्ट करे शिड्यूल ट्राइब से बाहर निकाले।

इस समागम ने जनजातीय समाज को शक्ति दी है, भक्ति दी है, युक्ति दी है, तत्त्वचिंतन दिया है और पराक्रम का एक भाव जागृत किया है कि हम जनजातीय हैं, हम भारत माता की संतान हैं, हम कभी परास्त नहीं होंगे राष्ट्र के शत्रुओं को, संस्कृति और धर्म के शत्रुओं को हम परास्त करेंगे।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं।

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः' का उद्घोष किया, जिस धरती से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी 'गलती' केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में 'वृद्ध सम्मान' को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मयार्दाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

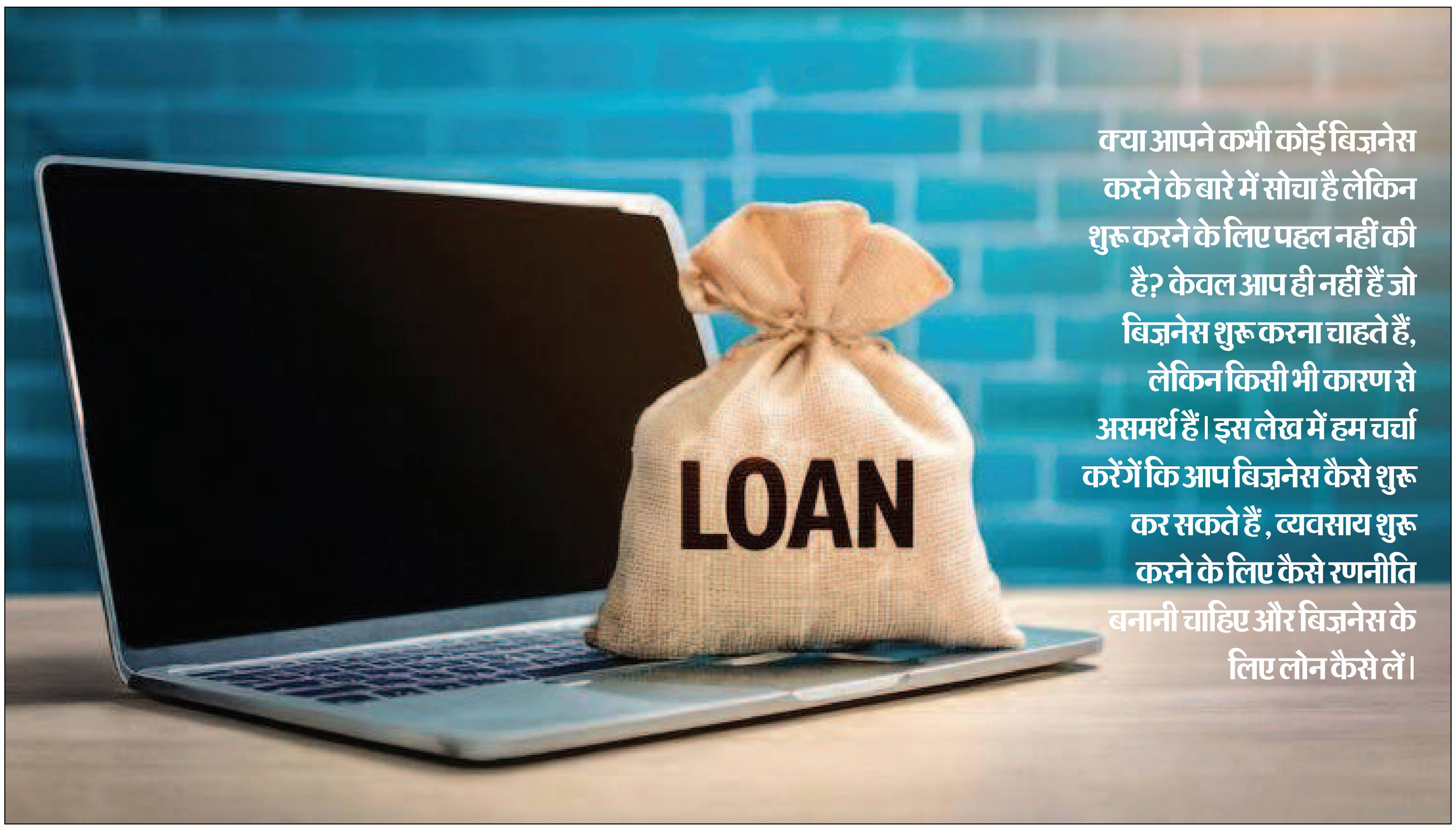

क्या आपने कभी कोई बिज़नेस करने के बारे में सोचा है लेकिन शुरू करने के लिए पहल नहीं की है? केवल आप ही नहीं हैं जो बिज़नेस शुरू करना चाहते हैं, लेकिन किसी भी कारण से असमर्थ हैं। इस लेख में हम चर्चा करेंगे कि आप बिज़नेस कैसे शुरू कर सकते हैं, व्यवसाय शुरू करने के लिए कैसे रणनीति बनानी चाहिए और बिज़नेस के लिए लोन कैसे लें।

बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन

बिल्डिंग एसोसिएशन

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें। अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया। व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/ स्किल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बिज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई किसी न किसी काम में अच्छा होता है; बस जरूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बिज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज़्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिज़नेस को न किया जा रहा हो। अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा। अगला सवाल आपको खुद से पूछने की जरूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए। पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम

अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना

कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना

एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना

अकाउंट सिस्टम चुनना

एक वेबसाइट बनाना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की ज़रूरत है, उसकी चयन करें। साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, ढ्ढञ्ज पेशेवरों, ॥क्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान –एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है

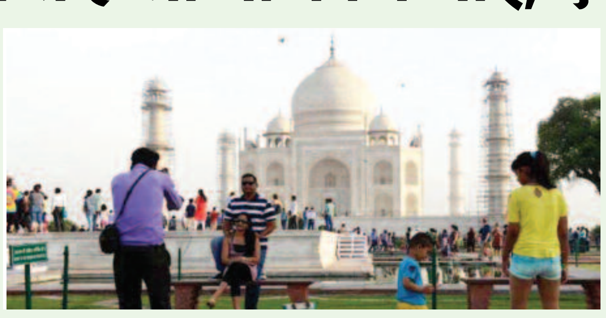

और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

हाजिर जवाब होना भी जरूरी – किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल –अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स – गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टीट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं – अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.

ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है। यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है। हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं। सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं। यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (स्न्र, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं। यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं। हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है। ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीस एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं। इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटीशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है। इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है। यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

केजी-बेसिन गैस विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने सुलह प्रक्रिया पर सहमति जताई

शीर्ष अदालत ने जुलाई के तीसरे सप्ताह तक सुनवाई स्थगित की

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की केंद्र सरकार के साथ कृष्णा-गोदावरी बेसिन गैस विवाद को आपसी सहमति से सुलझाने की नई अर्जी स्वीकार कर ली है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि दोनों पक्ष समाधान निकाल लेते हैं, तो लंबित अपील का निपटारा कर दिया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस उल्लेख का संज्ञान लिया कि सुलह प्रक्रिया के लिए आवेदन किया गया है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने सरकार की ओर से इस अनुरोध पर विचार करने की सहमति जताई। इस पर न्यायालय ने मामले की सुनवाई जुलाई के तीसरे सप्ताह तक स्थगित कर दी। पीठ ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यदि विवाद सुलह से सुलझता है तो हमें खुशी होगी। गौरतलब है कि 20 मई को इसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने रिलायंस और उसकी साझेदार कंपनियों की मध्यस्थता की पिछली मांग को ठुकरा दिया था। यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर अपीलों से संबंधित है, जिसने मध्यस्थता न्यायाधिकरण के रिलायंस के पक्ष में दिए गए फैसले को रद्द कर दिया था। कंपनियों पर केजी बेसिन के ऐसे गैस भंडारों से गैस निकालने का आरोप है, जिनका दोहन करने का उन्हें अधिकार नहीं था।

ताइवान बना दुनिया का पांचवां बड़ा शेयर बाजार, भारत को पीछे छोड़ा

ताइवान का बाजार मूल्य 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा, जबकि भारत 4.92 ट्रिलियन डॉलर के साथ छठे स्थान पर

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्रांति की लहर पर सवार होकर ताइवान ने वैश्विक शेयर बाजार में एक बड़ी छलांग लगाई है। देश ने भारत को पीछे छोड़ते हुए सोमवार तक दुनिया के पांचवें सबसे बड़े इक्विटी मार्केट का दर्जा हासिल कर लिया है, जिसका कुल बाजार पूंजीकरण 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय मुख्य रूप से दिग्गज चिप निर्माता कंपनी ताइवान सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चे रिंग कंपनी को जाता है, जिसकी एआई चिप्स की बढ़ती वैश्विक मांग ने ताइवानी बाजार को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचाया है। यह न सिर्फ ताइवान की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक टेक सप्लाई चेन में उसके केंद्रीय महत्व को भी रेखांकित करता है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को ताइवान के शेयर बाजार का कुल मार्केट कैप 4.95 ट्रिलियन डॉलर दर्ज किया गया, जबकि भारत का बाजार मूल्य घटकर 4.92 ट्रिलियन डॉलर रह गया। इस बदलाव के साथ, दुनिया के सबसे बड़े इक्विटी बाजारों की सूची में अब अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद ताइवान का नाम शामिल हो गया है। ताइवान की इस शानदार प्रगति का सबसे प्रमुख कारण दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता टीएसएमसी रही है। कंपनी के शेयरों में इस साल अकेले करीब 49 प्रतिशत की जबरदस्त उछाल देखी गई है। एआई सेक्टर में अभूतपूर्व मांग बढ़ने से टीएसएमसी को सीधा फायदा मिला है, क्योंकि उसके उन्नत सेमीकंडक्टर वैश्विक टेक दिग्गजों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप्स के निर्माण में रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं। एने विडिया जैसी कंपनियों के लिए चिप्स बनाने वाली टीएसएमसी ने एआई चिप्स की बढ़ती जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रुपया 17 पैसे गिरकर 95.43 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया पिछले दिन 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में मंगलवार को रुपया शुरुआती कारोबार में 17 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बने रहने तक रुपये पर व्यापक दबाव जारी रह सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उपाय और तरलता बढ़ाने से निकट अवधि में कुछ राहत दे सकते हैं और उतार-चढ़ाव को सीमित कर सकते हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 17 पैसे कमजोर है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 45 अंक नीचे आकर 95.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 17 पैसे फिसलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 17 पैसे कमजोर है। सोमवार को रुपया 34 पैसे मजबूत होकर 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

कारोबारियों के अनुसार उस दिन आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर

एचपीसीएल की ईंधन बिक्री में मजबूत उछाल

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी तेल विपणन कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने मई महीने के शुरुआती 24 दिनों में ईंधन बिक्री में शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो आर्थिक गतिविधियों में तेजी और बढ़ी हुई उपभोक्ता मांग का स्पष्ट संकेत है। कंपनी के अनुसार 1 से 24 मई के दौरान पेट्रोल की खुदरा बिक्री 7.36 लाख टन दर्ज की गई, जो पिछले साल की इसी अवधि के 7 लाख टन से 5 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह डीजल की खुदरा बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 7 प्रतिशत बढ़कर 14.27 लाख टन पर पहुंच गई। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी ने 13.35 लाख टन डीजल बेचे थे। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आ रही है और लोगों की आवाजाही बढ़ रही है, जिससे ईंधन की खपत में इजाफा हुआ है।

महंगा हुआ घर खरीदना, बिक्री मूल्य 16 फीसदी बढ़ा

आपूर्ति बढ़ने से बिना बिके मकानों की संख्या 13 फीसदी बढ़कर 12 लाख इकाई हुई

नई दिल्ली।

भारत के प्रमुख शहरों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान घरों की बिक्री में एक दिलचस्प प्रवृत्ति देखने को मिली है। एक रिपोर्ट बताती है कि जहां घरों की बिक्री का कुल मूल्य 16 फीसदी बढ़कर 9.33 लाख करोड़ रुपये हो गया, वहीं बेचे गए घरों की संख्या में 1 फीसदी की मामूली गिरावट आई। एक गैर-ब्रोकरेज रियल एस्टेट अनुसंधान और डेटा विश्लेषण कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश के 75 प्रमुख शहरों में वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 7,09,793 आवासीय इकाइयाँ बिकीं, जो पिछले वित्त वर्ष की 7,19,029 इकाइयों से थोड़ी कम है। हालांकि, मूल्य के हिसाब से बिक्री 9,32,965 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो यह दर्शाता है कि प्रॉपर्टी की औसत कीमतें बढ़ी हैं। इसी अवधि में नए घरों की आपूर्ति 10 प्रतिशत बढ़कर 6,20,842 इकाई हो गई। आपूर्ति में वृद्धि के कारण बिना बिके मकानों (अनसोल्ड इन्वेंट्री) की संख्या में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह लगभग 12 लाख इकाई तक पहुंच गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि शीर्ष आठ शहरों में बिक्री थोड़ी घटकर 5,07,850 इकाई रही, जबकि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में भी बिक्री में मामूली गिरावट आई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 479 , निफ्टी 118 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। आज सुबह बाजार खुलते ही तेजी दिखी पर समय बीतने के साथ ही बाजार का रुख बदलने लगा और उसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद दोनों बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 479 अंक टूटकर 76,009 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी दिन के अंत में 118 अंक नीचे आकर 23,913 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज़्यादा उछाल अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में आया।

इसके अलावा टाटा मोटर्स , टेक महिंद्रा के अलावा नेस्ले इंडिया के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर अपोलो अस्पताल के अलावा विप्रो , भारती एयरटेल और ट्रेंट के शेयर गिरे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी एनर्जी के अलावा निफ्टी कमोडिटीज में तेजी रही जबकि निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी सर्विसेज सेक्टर और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स भी 141.36 अंक की गिरावट के साथ 76,347.60 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप में हल्की 0.14 फीसदी की तेजी रही, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.65 फीसदी की मजबूत बढ़त के रही। ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और रियल्टी इंडेक्स दबाव में रहे, वहीं सूचना प्रौद्योगिकी और मीडिया सेक्टर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजार को कुछ सहारा दिया।

यह गिरावट अमेरिका द्वारा दक्षिणी ईरान में किए गए ताजा सैन्य हमलों के बाद बढ़ी वैश्विक अनिश्चितता के कारण आई है। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

श्रीलंका में केंद्रीय बैंक का बड़ा कदम, ब्याज दरों में एक फीसदी की बढ़ोतरी

तीन साल में पहली बार बढ़ी दरें, वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी वजह

कोलंबो ।

श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण मौद्रिक नीतिगत फैसले में अपनी प्रमुख नीतिगत ब्याज दर में एक प्रतिशत अंक (100 आधार अंक) की वृद्धि कर दी है। यह बीते तीन वर्षों में पहली बार है जब केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति को सख्त किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य घरेलू मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाना और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच कमजोर पड़ रहे श्रीलंकाई रुपये को सहारा देना है। मौद्रिक नीति बोर्ड की बैठक के बाद लिए गए इस निर्णय से ओवरनाइट नीतिगत दर (ओपीआर) अब बढ़कर 8.75 प्रतिशत हो गई है। इसके साथ ही, मानक जमा सुविधा दर (एसडीएफआर) को 8.25 प्रतिशत और स्थायी उधारी सुविधा दर (एसएलएफआर) को 9.25 प्रतिशत कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दर में वृद्धि का यह निर्णय घरेलू और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बदलते परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए लिया है। बैंक ने विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल सहित अन्य जिंसों की कीमतों में हो रही वृद्धि का हवाला दिया, जिसका सीधा असर वैश्विक और घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आने वाले समय में मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत के उसके लक्ष्य से ऊपर बनी रह सकती है, हालांकि बाद में इसके स्थिर होने की संभावना है। इसके

अतिरिक्त, श्रीलंकाई रुपये पर हाल के हफ्तों में दबाव देखा गया है, जो इस साल की शुरुआत से 22 मई तक 7.2 प्रतिशत कमजोर हो चुका था। हालांकि, बैंक का कहना है कि अब स्थिति में कुछ हद तक स्थिरता आई है।

प्रीमियर एनर्जीज में 2,291 करोड़ का संस्थागत निवेश

नई दिल्ली।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड में वैश्विक और घरेलू वित्तीय संस्थानों ने बड़ा दांव लगाया है। नोमुरा एसेट मैनेजमेंट और कैपिटल ग्रुप सहित कई संस्थागत निवेशकों ने कंपनी में 2,291 करोड़ रुपये में 5.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से संपन्न हुआ। इस सौदे में कनाडा के पब्लिक सेक्टर पेंशन इन्वेस्टमेंट बोर्ड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसे विदेशी निवेशक, और क्वांट म्यूचुअल फंड, बजाज फिनसर्व, बंधन म्यूचुअल फंड के साथ-साथ एचडीएफसी लाइफ व एसबीआई लाइफ जैसी प्रमुख घरेलू संस्थाएं शामिल रहीं। कंपनी के चार प्रवर्तकों ने औसतन 955 रुपये प्रति शेयर के भाव से कुल 2,39,85,197 शेयर बेचे, जिससे उनकी हिस्सेदारी 63.94 प्रतिशत से घटकर 58.65 प्रतिशत हो गई। यह निवेश ऐसे समय में हुआ है जब प्रीमियर एनर्जीज को हाल ही में 1,600 मेगावाट क्षमता के सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के बड़े ऑर्डर मिले हैं।

भारत-कनाडा एफटीए 2030 के अंत तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

पीयूष गोयल और मनिंदर सिद्धू ने जताई प्रतिबद्धता; तीसरे दौर की वार्ता ओटावा में जारी

नई दिल्ली।

भारत और कनाडा इस वर्ष के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी कनाडा यात्रा के दौरान यह घोषणा की, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। ओटावा में कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में पीयूष गोयल ने बताया कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने इस साल के अंत तक इस समझौते को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। गोयल ने कहा कि हमारा उद्देश्य मौजूदा 17 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 2030 तक 50 अरब डॉलर करना है। अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से भी मुलाकात की, जिन्होंने एफटीए को कनाडाई कामगारों और कारोबार के लिए गेम चेंजर बताया। कार्नी ने ऊर्जा, कृषि-खाद्य, प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी गिनाईं। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर तीसरे दौर की वार्ता 25 से 29 मई तक ओटावा में जारी है। भारत की ओर से संयुक्त सचिव बृजमोहन मिश्रा और कनाडा की ओर से ब्रूस क्रिस्टी मुख्य वार्ताकार हैं। द्विपक्षीय व्यापार में दवाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दालें और कच्चा पेट्रोलियम प्रमुख मदें हैं, जबकि कनाडा में 4.25 लाख से अधिक भारतीय छात्र और एक बड़ा भारतीय समुदाय भी रहता है।

यूपीआई पेमेंट में बदलाव, अब दुकानों पर दिखेगा सिर्फ एक स्मार्ट साउंडबॉक्स!

एनपीसीआई ला रहा वन साउंडबॉक्स रूल, सभी ऐप्स के लिए एक ही डिवाइस देगा पेमेंट की जानकारी

नई दिल्ली ।

भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में एक महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी है। अब दुकानों पर गूगल प्ले, फोनपे और पेटीएम जैसे अलग-अलग यूपीआई ऐप्स के लिए कई साउंडबॉक्स रखने की झंझट खत्म होने वाली है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) एक नया नियम लाने जा रहा है, जिसका लक्ष्य पेमेंट अनुभव को और भी सुव्यवस्थित करना है। एनपीसीआई अब वन साउंडबाक्स रूल लागू करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसके तहत इंटरोपेरेबल साउंडबाक्स तकनीक विकसित की जा रही है। इसका सीधा मतलब है कि दुकानदारों को अब कई कंपनियों के अलग-अलग साउंडबॉक्स रखने की जरूरत नहीं होगी।

भविष्य में सिर्फ एक ही स्मार्ट साउंडबॉक्स होगा जो किसी भी यूपीआई ऐप से आने वाले पेमेंट की जानकारी और पुष्टि आवाज के माध्यम से देगा। यह सुविधा उसी तरह काम करेगी जैसे आज एक क्यूआर कोड सभी यूपीआई ऐप्स के साथ संगत होता है। यह पहल विशेष रूप से छोटे दुकानदारों के लिए एक बड़ी राहत होगी। उन्हें अब काउंटर पर कई डिवाइस रखने, उनका मासिक किराया या खर्च चुकाने और जगह घेरने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इससे उनके काउंटर साफ-सुथरे और व्यवस्थित दिखेंगे, संचालन लागत में कमी आएगी और डिजिटल पेमेंट को अपनाना और भी आसान हो जाएगा। इस बदलाव से डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम और परिपक्व होगा।

पुराने गहने एक्सचेंज करने पर लग सकता है कैपिटल गेन टैक्स!

टैक्स विशेषज्ञः यह सिर्फ डिजाइन बदलना नहीं, संपत्ति का हस्तांतरण है

नई दिल्ली ।

भारत में अक्सर लोग पुराने गहनों को एक्सचेंज कर नए डिजाइन बनवाते हैं, लेकिन यह आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। टैक्स विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रक्रिया केवल डिजाइन बदलने तक सीमित नहीं, बल्कि इनकम टैक्स नियमों के तहत एसेट ट्रांसफर यानी संपत्ति का हस्तांतरण माना जा सकता है, जिस पर कैपिटल गेन टैक्स भी लागू हो सकता है। आयकर कानून के तहत पुराने गहनों के बदले नए गहने लेना भी ट्रांसफर माना जाता है। यदि किसी व्यक्ति ने सालों पहले कम कीमत पर सोना खरीदा था और अब एक्सचेंज के दौरान उसकी कीमत काफी बढ़ गई है, तो बढ़ी हुई वैल्यू पर कैपिटल गेन टैक्स चुकाना पड़ सकता है। भले ही उपभोक्ता को सीधे नकदी न मिली हो, टैक्स विभाग इसे संपत्ति के हस्तांतरण के रूप में देखेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, पुश्तैनी और पुराने गहनों के मामले में यह दिक्कत ज्यादा होती है, क्योंकि अक्सर इनकी खरीद के दस्तावेज या असली कीमत का रिकॉर्ड नहीं मिलता, जिससे टैक्स की गणना जटिल हो जाती है। विरासत या वसीयत में मिले गहनों पर भी यही नियम लागू हैं, जहां पुराने मालिक की खरीद कीमत आधार बनती है। 1 अप्रैल 2001 की कीमत कैपिटल गेन गणना में महत्वपूर्ण है।

आजकल ज्वेलर्स भले ही आसानी से एक्सचेंज की सुविधा दे रहे हों, पर बिना सही रिकॉर्ड और मूल्यांकन के भविष्य में दिक्कत हो सकती है। टैक्स विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि गहनों के एक्सचेंज से पहले खरीद तारीख, अनुमानित कीमत और सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच जरूर कर लें, ताकि भविष्य में किसी टैक्स नोटिस या अतिरिक्त बोझ से बचा जा सके।

अदाणी ग्रीन ने 3.3 गीगावाट घंटा बैटरी स्टोरेज क्षमता हासिल की

खावड़ा परियोजना भारत के ऊर्जा भविष्य में निभा रही बड़ी भूमिका

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा में अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की परिचालन क्षमता को बढ़ाकर 3.37 गीगावाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) कर दिया है। मार्च 2026 में 1.37 गीगावाट घंटा की अतिरिक्त क्षमता जोड़ने के बाद, यह संयंत्र अब चीन के बाहर एक ही स्थान पर स्थापित दुनिया की सबसे बड़ी और वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से लागू की गई बैटरी भंडारण परियोजना बन गया है। खावड़ा में एजीईएल 30 गीगावाट का एक विशाल नवीकरणीय ऊर्जा पार्क विकसित कर रहा है, जिसमें से 9.9 गीगावाट पहले ही चालू हो चुका है। यह 3.37 गीगावाट की बीईएसएस क्षमता लगभग 10 लाख घरों को एक दिन तक स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने या 1.2 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों को 10 घंटे तक लगातार ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम है। कंपनी की योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 तक 10 गीगावाट घंटा से अधिक बैटरी भंडारण क्षमता जोड़ने और अगले पांच वर्षों में इसे 50 गीगावाट तक पहुंचाने की है। एजीईएल के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने इस उपलब्धि पर जोर देते हुए कहा, ÷बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के अगले चरण में अहम भूमिका निभाएगा। विश्वसनीय और 24 घंटे स्वच्छ बिजली आपूर्ति के लिए भंडारण अवसंरचना जरूरी है।÷ एजीईएल का कुल परिचालन नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो अब 19.7 गीगावाट है।

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

आईपीएल से पंजाब किंग्स के बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगी। श्रेष्ठा को उनके एक पुराने वीडियो के लिए ट्रोल किया जा रहा था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब श्रेष्ठा ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स का मैच बारिश के कारण धुल जाने के बाद एक वीडियो बनाया था। उस वीडियो में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था, जा एक अंक दित्ता (चलिए आपको एक अंक दिया), क्योंकि बारिश के कारण मैच रद्द होने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला था, और उस समय पंजाब किंग्स की स्थिति काफी मजबूत थी। पंजाब किंग्स ने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर वन की पोजीशन हासिल की थी, लेकिन इसके बाद टीम लगातार छह मैच हार गई। इसके बाद से ही श्रेष्ठा निशाने पर आ गयीं।

सनराइजर्स और रॉयल्स के बीच आज होगी एलिमिनेटर मुकाबले में टक्कर

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

मुल्लांपुर । सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। सनराइजर्स की ताकत उसकी आक्रामक बल्लेबाजी है उसके पास अभिषेक शर्मा , ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने 563 रन, हेड ने 393 रन और ईशान किशन ने 569 रन बनाये है। इसके अलावा क्लासेन ने 606 रन बनाये हैं।

इन बल्लेबाजों को हालांकि रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और स्पिनर रवि बिश्नोई से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स ने लीग स्तर में खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करते हुए दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन कर यहां तक का सफर तय किया है जिसके उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से टीम की गेंदबाजी की परेशान भी दूर हुई है। कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर थे पर उनके आने के बाद टीम ने अंतिम सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था जिससे उसे इस मुकाबले के लिए मानसिक रुप से बढ़त मिल गयी है। वहीं रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स का प्रदर्शन लीग स्तर में उतार-चढ़ाव से भरा रहा है हालांकि टीम ने किया प्रकार से यहां तक क सफर तय कर लिया है। ऐसें में अब वह कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। टीम के पास वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। वैभव ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 397 रन बनाये हैं। ध्रुव जुरेल ने भी 458 रनों की पारी खेली है।

सनराइजर्स के आक्रामक रुख को देखते हुए रॉयल्स की टीम इस मैच में नई

रणनीति से उतरेगी। टीम के कोच कुमार संगकारा का कहना है कि इस मैच में पूरी ताकत से उतरेंगी। टीम को उम्मीद रहेगी कि

आर्चर मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करें। इसके अलावानांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा से भी गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं राजस्थान के बल्लेबाजों विशेषकर वैभव पर अंकुश लगाने का प्रयास सनराइजर्स के कमिंस, ईशान मलिंगा करेंगे।

आईपीएल के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स सहित ये पांच टीमें उतर सकती हैं नये कप्तानों के साथ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसके बाद जहां शीघ्र चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। वहीं अन्य टीमें बाहर हो गयी है। इन बाहर होने वाली टीमों में पांच टीमें ऐसी हैं जिनके कप्तानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और माना जा रहा है कि अगले सत्र में उन्हें टीम की कप्तानी नहीं मिलेगी। ये टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस। इन टीमों के साथ ही इनके कप्तानों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा नही रहा है। ऐसे में ये कप्तान टीम मालिकों के निशाने पर हैं। इससे साफ है कि अगले सत्र में ये टीमें नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। है। ऐसे में टीम को एक ऐसे कप्तान की जरुरत है जो आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करें। अक्षर में वह क्षमता नजर नहीं आती। टीम को एक ऐसे कप्तान की आवश्यकता है जो दबाव में भी शांत रहे और सही फैसले ले सके। बतौर कप्तान उनके निजी प्रदर्शन में भी गिरावट आई

है। टीम अगले सत्र मे राहुल जैसे खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। रुतुराज गायकवाड़- चेन्नई सुपर किंग्स भी पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है, और आईपीएल 2026 भी इसका अपवाद नहीं था। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम ने औसत प्रदर्शन किया। शुरुआती झटकों के बाद टीम ने वापसी तो की, लेकिन अंततः प्लेऑफ का टिकट नहीं मिला। पूरे सीजन कप्तानी के दबाव का असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर स्पष्ट रूप से दिखा, जहाँ उनका स्ट्राइक रेट 125 से भी कम रहा। टीम के पास संजू सैमसन जैसा अनुभवी कप्तान विकल्प मौजूद है, जो आईपीएल में पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। ऐसें में अगले सत्र में वह कप्तान हो सकते हैं।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली । मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है। मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई।

आईपीए 2026 ऑरेंज कैप की रेस में छाये भारतीय, पर्पल में विदेशी

मुम्बई । आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में जहां भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। वहीं पर्पल कैप की रेस में विदेश खिलाड़ी छाये हुए हैं। कैप का फैसला फाइनल मुकाबले के बाद आयेगा। वहीं कई खिलाड़ी जिनकी टीमें बाहर हो चुकी हैं, वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं पर जो खिलाड़ी अभी भी मैदान में हैं, उनके पास इतिहास रचने का मौका है।

ऑरेंज कैप की बात करें तो शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से चार भारतीय हैं। इस सूची में सबसे ऊपर साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 638 रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। उनके ठीक पीछे शुभमन गिल हैं, जिनके खाते में 616 रन दर्ज हैं, और वे भी इस रेस में प्रबल दावेदार बने हुए हैं। वहीं विदेशी बल्लेबाजों में एकमात्र खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर केएल राहुल 593 रनों के साथ स दौड़ से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

वहीं, पांचवें पायदान पर मौजूद वैभव सूर्यवंशी ने भी 583 रन बनाए हैं और वे भी अपनी टीम के लिए इस कैप को जीतने की कोशिश करेंगे। इन शीर्ष पांच के अलावा, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और विराट कोहली जैसे भारतीय धुरंधर भी शीर्ष 10 में शामिल हैं, जो दिखाते हैं कि ऑरेंज कैप पर भारतीय खिलाड़ी का ही कब्जा होना तय है।

वहीं पर्पल कैप की दौड़ में अंशुल कंबोज 21 विकेट लेकर चौथे स्थान पर थे, लेकिन उनकी टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के बाहर होने के कारण वे अब आगे नहीं जा पाएंगे। गेंदबाजों की सूची में भुवनेश्वर कुमार 24 विकेटों के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उनके साथ ही कगिसो रबाडा भी 24 विकेट लेकर संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जो यह दर्शाता है कि फाइनल मुकाबले तक यह दौड़ कितनी रोमांचक रहने वाली है। जोफ्रा आर्चर 21 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों के लिए खतरा बने हुए हैं। पांचवें स्थान पर राशिद खान हैं।, जिन्होंने 19 विकेट लिए हैं और अपनी फिरकी गेंदबाजी से कभी भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने बाद भी बाहर है पंजाब

एक दिन शीर्ष पर रही गुजरात खेल रही प्लेऑफ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में पंजाब किंग्स टीम बदकिस्मत रही और 22 दिनों तक शीर्ष पर रहने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं एक दिन ही नंबर एक पर रही गुजरात टाइटंस न केवल प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही बल्कि क्वालीफायर 1 में पहुंची। इससे अंदाज होता है कि खेल में कुछ भी तय नहीं होता आंकड़ों पर गौर करें तो, टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पंजाब ने शानदार प्रदर्शन किया था, पहले 7 में से 6 मैच जीतकर उसने रिकार्ड बनाया था। तब ऐसा लग रहा था कि वे प्लेऑफ में सबसे पहले पहुंचे पर ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद अगले 6 मैचों में टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा जिससे वह केवल 15 अंकों तक ही पहुंच पायी। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर 16 अंक हासिल कर लिए, जिससे पंजाब किंग्स प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं दूसरे ओर गुजरात टाइटन्स के प्रदर्शन में उतार चढ़ाव बना रहा। वह केवल एक दिन के लिए ही अंकतालिका में नंबर एक पर पहुंची। वहीं अन्य टीमों की बात करें तो, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसी) भी 18 दिनों तक लगाकार नंबर एक पर रही और वह सबसे पहले प्लेऑफ में पहुंची। र एक पर रही और उन्होंने भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। अंतिम समय में प्लेऑफ में जगह बनाने वाली राजस्थान रॉयल्स कुल 13 दिन अंक तालिका में शीर्ष पर रही। वहीं, 14 में से 9 मैच जीतने के बावजूद एलिमिनेटर में पहुंचने वाली सनराइजर्स हैदराबाद भी 4 दिन नंबर एक पर रही। प्लेऑ के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने क्वालीफाई किया है।यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि आईपीएल की अंक तालिका कितनी अप्रत्याशित हो सकती है। यहां शुरुआती बढ़त या लंबे समय तक शीर्ष पर रहना भी सफलता की गारंटी नहीं होता।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

मुम्बई।

एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली। वहीं दूसरे भारतीय हैं सौरव गांगुली। गांगुल ने अपनी कप्तानी के दौर में यह कारनामा किया। 11 दिसंबर 2000 को कानपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ, गांगुली ने 34 रन देकर 5 विकेट झटके।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए कुशल मेंडिस को बनाया कप्तान

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अपनी एकदिवसीय और टी20 टीम घोषित कर दी है। दोनो ही प्रारुपों के लिए टीम की कप्तानी कुशल मेंडिस को दी गयी है। नये चयन पैनल ने कहा है कि टीम को बेहतर बनाने के लिए ये बदलाव लाया गया है। मेंडिस ने पहले भी 17 एकदिवसीय मैचों में देश की कप्तानी की है पर अब उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय की भी कप्तानी दी गयी है। वहीं पहले चरित असलंका और दासुन शनाका कप्तान थे हालांकि टेस्ट टीम की कप्तानी धनंजय डिसिल्वा के पास ही रहेगी। जबकि बाएं हाथ के मध्यक्रम के बल्लेबाज कमिंदु मेंडिस को तीनों ही प्रारुपों में उपकप्तान बनाया गया है।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए घोषित टीम में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है। इसमें बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंदरा और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इसिथा विजेसुंदरा को टेस्ट टीम में शामिल किय गया है। ये दोनो ही इस दौरे से डेब्यू करेंगे। सीमित ओवरों की टीम में बल्लेबाज लसिथ क्रूसपुले को भी शामिल किया गया है। है, लसिथ ने पिछले माह न्यूजीलैंड ए टीम के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। शनाका को इस बार केवल टी20 टीम में ही शामिल किया गया है। वहीं असलंका को केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज नुवान तुषारा की टी20 टीम में वापसी हुई है। श्रीलंकाई टीम मंगलवार 26 मई को वेस्टइंडीज के दौरे पर रवाना होगी, जहां उसे दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

टीमें इस प्रकार हैं

टेस्ट टीम पथुम निसांका, लाहिरू उदारा, निशान मदुशंका, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंडु मेंडिस (उपकप्तान), सोनल दिनुशा, कुसल मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा

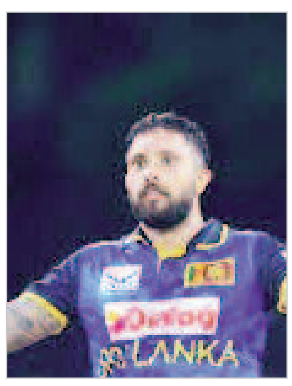

(कप्तान), मिलन रथनायके, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, इसिथा विजेसुंदरा, कसुन राजिथा।

अनुभवी लेग-स्पिनर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास लिया

चेन्नई।

तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले 35 वर्षीय अनुभवी क्रिकेटर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अश्विन ने छह टीमों की ओर से आईपीएल में भी खेला है। अब इस लेग स्पिनर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। मुरुगन ने सोशल मीडिया पर एक बयान साझा करते हुए अपनी क्रिकेट यात्रा, तमिलनाडु क्रिकेट में अपने उभार और आईपीएल में अपने अनुभवों के बारे में भी बताया है। अश्विन ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷जब से मैंने 6 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया, तभी से मुझे इस खेल से गहरा प्यार रहा है। इसने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे वह इंसान बनाया, जो मैं आज हूं। इसने मुझे मैदान पर अपने को पूरी तरह से व्यक्त करने का मौका दिया है। अब तक का यह सफर अविश्वसनीय रहा है। मैं यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैंने अपने घरेलू क्रिकेट करियर और आईपीएल में अपनी यात्रा को समाप्त करने का फैसला किया है। हालांकि, मैं नई चुनौतियों और अवसरों की तलाश करूंगा और इस खेल को हमेशा की तरह पूरी प्रतिस्पर्धा के साथ खेलना जारी रखने के लिए उत्साहित हूं।÷ गौरतब है कि अपने आईपीएल करियर के दौरान मुरुगन ने राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली डेयरडेविल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स (किंग्स इलेवन पंजाब), मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स जैसी छह प्रमुख फ्रेंचाइजियों से खेला है। उन्होंने इस अवसर पर सभी टीमों को धन्यवाद देते हुए लिखा, ÷मैं उन सभी छह टीमों के प्रति अभारी हूं जिनका मैंने अपने आईपीएल करियर के दौरान प्रतिनिधित्व किया था।÷ अश्विन ने भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और दिग्गजों की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभवी को भी विशेष बताया। उन्होंने कहा, ÷आईपीएल में मेरे एक दशक लंबे अनुभव ने मुझे इस खेल के कुछ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर दिया है। मैंने महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों की कप्तानी में खेला है। इन अनुभवों से मुझे एक एक बेहतर क्रिकेटर बनने में सहायता मिली।

आरसीबी को लेकर भावुक हुए यश दयाल , टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे

मुम्बई ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से पिछले सत्र में शानदार गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल इस बार निजी कारणों से टीम में नहीं है। यश का कहना है कि वह अपनी टीम को टीवी पर ही खेलते देखे रहे हैं। उन्हें इस बार लीग में नहीं खेल पाने का दुख भी है। इस दौरान इस तेज गेंदबाज ने कई भावुक बातें कही हैं जिससे साफ पता चलता है कि वे टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे हैं। यश ने आरसीबी के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें आज भी टीम की कमी खलती है। उन्होंने बताया, जब आप बाहर बैठे हो और टीवी पर मैच देखते हो, तो कभी-कभी मैं बीच में ही खड़ा हो जाता हूं। ये याद करके कि अपनी टीम है।

त्रिशा जॉली पिता ने पहचानी प्रतिभा, बैडमिंटन की खातिर छोड़ा शहर, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दिलाया पदक

नई दिल्ली, ।

बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह, वहां राह।' बैडमिंटन की दुनिया में सफलता के नए आयाम छूने की ऐसी ही चाहत भारत की स्टार खिलाड़ी त्रिशा जॉली की भी थी। बैडमिंटन के खेल से इस कदर लगाव हुआ कि ट्रेनिंग के लिए अपना शहर छोड़कर हैदराबाद शिफ्ट हो गईं। कड़ी मेहनत, लगन और दमदार प्रदर्शन के बूते त्रिशा आज इस खेल में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

त्रिशा का जन्म 27 मई, 2003 को केरल में हुआ। बचपन से ही त्रिशा को बैडमिंटन में खास रुचि थी। उनके पिता स्कूल में शारीरिक शिक्षक (पीटी टीचर) थे। त्रिशा की प्रतिभा और इस खेल के प्रति उनके लगाव को पिता ने ही पहचाना। पिता की देखरेख में त्रिशा इस खेल की बारीकियां सीखने लगीं।

हालांकि, **केरल में बैडमिंटन** के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसी वजह से त्रिशा ने हैदराबाद शिफ्ट होने का फैसला किया और यहां आकर उन्होंने गोपीचंद एकेडमी में दाखिला लिया। इसके बाद त्रिशा इस खेल में रमती गईं और उन्होंने धीरे-धीरे नाम कमाना शुरू कर दिया। जूनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया।

हालांकि, त्रिशा को सबसे बड़ी कामयाबी साल 2022 में हाथ लगी। बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में त्रिशा ने गायत्री गोपीचंद के साथ मिलकर महिला युगल में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में त्रिशा के खेल ने उन्हें इंटरनेशनल स्टेज पर पहचान दिलाई। इसी साल ऑल इंग्लैंड ओपन में भी गायत्री संग मिलकर त्रिशा ने शानदार प्रदर्शन किया।

त्रिशा और गायत्री की जोड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। इसके बाद साल 2024 में हुए एशिया टीम चैंपियनशिप में त्रिशा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं और उन्होंने यादगार प्रदर्शन किया। उन्होंने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट का डबल्स खिताब अपने नाम किया।

यह उनका पहला सुपर सीरीज 300

खिताब भी रहा। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा महिला युगल में विश्व रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचीं। त्रिशा से आने वाले वर्षों में देश को और पदक की उम्मीद है। कॉमनवेल्थ गेम्स में वह एक बार फिर दमदार प्रदर्शन से छाप जरूर छोड़ना चाहेंगी।

पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है। पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आवंटित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे। यह प्रक्रिया काफी सामान्य है और कई पुरस्कार विजेता अपने व्यक्तिगत शेड्यूल तथा सरकारी आवंटन के आधार पर बाद के चरणों में अपना सम्मान ग्रहण करते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3901

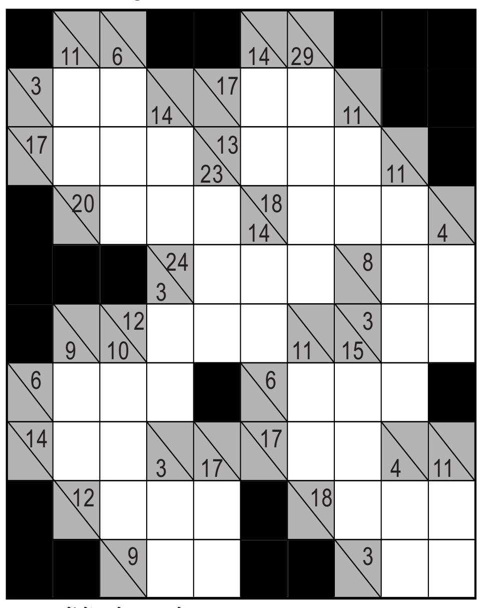

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

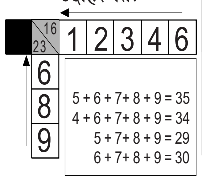

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3900 का हल

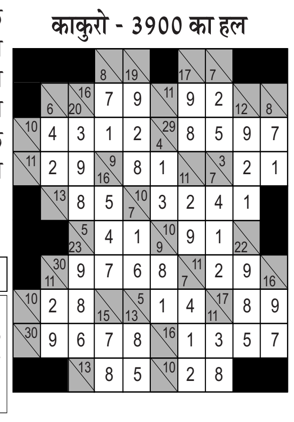

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया- 'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह !' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला- 'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.'

□ □ □

पहला- 'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा- ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई- ''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3901

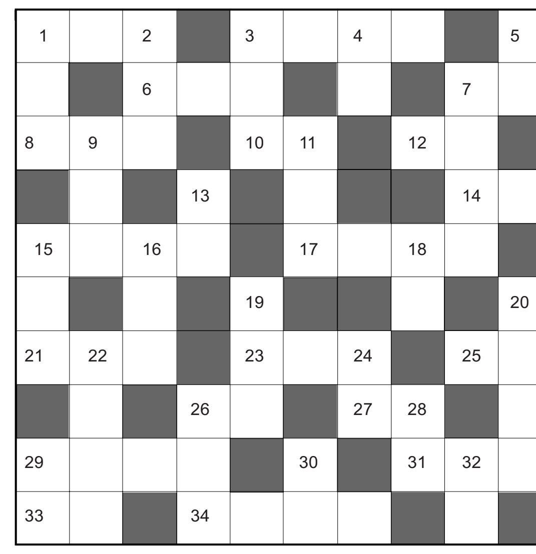

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3900

सूडोकु -3901

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3900 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 3901

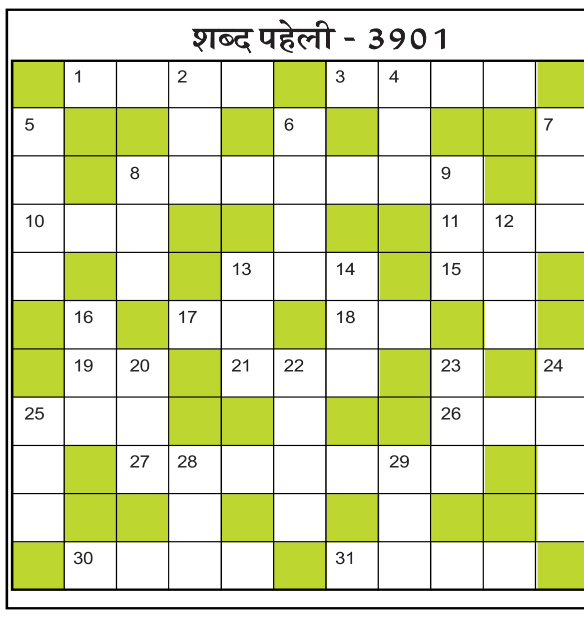

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -3900 का हल

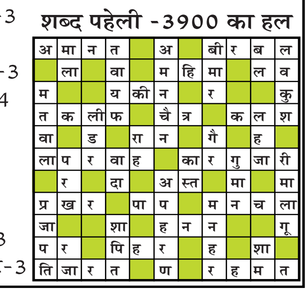

ऐसे करें अपनी सुरक्षा

दिन हो या रात, घर में हो या रास्ते में आज के समय में आपको अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। चोर और लुटेरों की नजर आप पर, कहीं भी हो सकती है। उन्हें बस मौका मिलने की देर है। फिर वे आपका कीमती सामान और पैसा लेकर गायब हो सकते हैं।

चाहे मंदिर जा रही हों, बाजार में हों या किसी विवाह समारोह में, महिलाओं के गले से चेन खींचने की घटनाएँ तो आजकल आम हो गई हैं। ऐसे समय में यदि आप कुछ बिंदुओं पर यदि सावधानी रखें तो अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हो सकती हैं। आइए जानें क्या हैं ये सावधानियाँ।

- रात के समय सुनसान रास्तों में अकेली ना जाएँ। चाहे आप कितनी ही आत्मविश्वासी हों या हिम्मती हों, आपातकाल के अलावा अकेली जाने से बचें। आपातकाल में भी कोशिश करें कि आप साथ में किसी को ले लें। न तो शॉर्ट कट के चक्कर में, न ही इस भुलावे में कि ये तो रोज का रास्ता है, सुनसान रास्ते का चयन करें।
- किसी अजनबी व्यक्ति से लिफ्ट न लें और न ही दें। खासतौर पर चार पहिया वाहन चालक से लिफ्ट लेने से बचें। यदि आपके पास वाहन नहीं है तो कोई भी सार्वजनिक परिवहन सुविधा ही सबसे बेहतर उपाय है। यदि ऑटो या टैक्सी करने की जरूरत पड़े तो भी थोड़ी सजग रहें। जहाँ तक बात लिफ्ट देने की है, चाहे महिला हों या पुरुष, लिफ्ट देने से बचें।
- अधिक कीमती जेवरात पहनकर घर से बाहर ना जाएँ। सामान्य जेवर जैसे मंगलसूत्र, चेन आदि पहनकर भी यदि बाहर जाएँ तो उन्हें साड़ी के पल्लू या दुपट्टे से छुपाकर रखें। इसी तरह घर में भी ज्यादा जेवर न रखें, उनके लिए बैंक का लॉकर सबसे सुरक्षित जगह है। किसी भी अवसर पर सफर में भी ज्यादा जेवर साथ न रखें। अगर रखें हैं भी तो उनका बखान न करें और सतर्कता रखें।
- यदि बैग लिए हैं तो उसे कंधे पर लटकाकर रखें, हाथ में झुलाकर न चलें। इससे आपके दोनों हाथ भी स्वतंत्र रहेंगे।
- कार्यालय से संभव हो सके तो रात होने के पहले ही निकल जाएँ। यदि किसी जरूरी मीटिंग में देर हो भी गई हो तो समूह में ही एक साथ घर के लिए निकलें। वैसे आजकल लेट अवर्स में काम करने वालों को ऑफिस द्वारा घर तक छुड़वाने की व्यवस्था भी होती है।
- आभूषणों की सफाई सुनार के पास ही करवाएँ, बजाय घर पर आए किसी अजनबी से करवाने के।
- बैंक या किसी अन्य समय किसी अजनबी व्यक्ति को नोट गिनने को न दें।
- बैंक जाते समय इस बात का ढिंढोरा नहीं पीटें। न ही बैंक में किसी अजनबी को नोट गिनने के लिए दें। इस काम में बैंककर्मी आपकी सहायता कर सकते हैं। बुजुर्ग अपने साथ बैंक जाते समय किसी को जरूर रखें।
- यदि आपको ऐसा लगता है कि रास्ते में कोई आपकी गाड़ी का पीछा कर रहा है तो आगे ना जाएँ, कहीं रुक जाएँ और किसी पर आपको संदेह हो तो मदद लेने से नहीं हिचकें।
- सफर में किसी से ज्यादा प्रगाढ़ मित्रता न करें न ही हर अजनबी द्वारा दी गई चीज खाएँ।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

सलमान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर चर्चा की

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सलमान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर और यादगार फिल्में दी हैं। अपने लगभग चार दशक लंबे करियर में सलमान ने लगभग 88 फिल्मों में काम किया है। अब सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। सुपरस्टार ने बताया कि वो किस तरह अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं।

बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन की प्रक्रिया के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। सलमान ने कहा कि मैं स्क्रिप्ट को शुरू से लेकर आखिर तक पढ़ने की बजाय, उसके भाव, ट्रीटमेंट और कमर्शियल अपील को समझना पसंद करता हूं।

बातचीत के दौरान सलमान उन महंगी घड़ियों के बारे में लगातार हो रही चर्चा पर भी बात करते नजर आए, जिन्हें वे अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों में पहने हुए देखे जाते हैं। पिछले कुछ साल में सलमान ने कई बार महंगी घड़ियां पहनकर सबका ध्यान खींचा है। इनमें से कई की कीमत कथित तौर पर 1 करोड़ रुपए से भी अधिक है। इस पर बात करते हुए अब अभिनेता ने कहा कि आप मुझे घड़ियां पहने हुए देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे घड़ियां मेरी हैं। वे मेरे दोस्त की हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे। पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसी वजह से फिल्म की रिलीज आगे बढ़ी है। फिल्म का नाम भी 'बैटल ऑफ गलवां' बदलकर अब 'मातृभूमि' हो गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का दर्शकों को अभी भी इंतजार है। इसके अलावा वो नयनतारा के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह फिल्म के अगले साल 2027 की ईद पर रिलीज की जाएगी। सलमान हाल ही में 'राजा शिवाजी' में एक कैमियो में नजर आए थे, जहां उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है।

वेधा जुनूनी और महत्वाकांक्षी किरदार, टीवी से ओटीटी तक का सफर रोमांचक

टीवी शो 'अनुपमा' में किंजल का किरदार निभाकर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री निधि शाह अब डिजिटल दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। अपनी अपकमिंग ओटीटी सीरीज में वह 'वेधा' के किरदार में नजर आएंगी, जिसे लेकर उत्साहित निधि ने बताया कि यह बेहद खास है। निधि ने कहा कि कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में उन्हें खूब मजा आया। निधि शाह ने अपने नए किरदार वेधा की तारीफ करते हुए बताया, 'वेधा बहुत जुनूनी और महत्वाकांक्षी है। वह ऐसी दुनिया में रहती है, जहां ताकत और जिंदा रहना बहुत मायने रखता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि वह अपनी पहचान बनाए रखते हुए इन चुनौतियों से कैसे निपटती है।' निधि के लिए यह डिजिटल डेब्यू काफी रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने बताया, 'डिजिटल स्पेस में यह मेरा पहला कदम है। एक्टिंग और कहानी कहने का तरीका टीवी से काफी अलग है। मुझे सच में कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में बहुत मजा आया।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि दर्शकों ने उन्हें किंजल के रूप में बहुत प्यार दिया, जिसके लिए वह शुक्रगुजार हैं लेकिन वेधा बिल्कुल अलग किरदार है। 'वह मजबूत, कई परतों वाली और उसकी कहानी बहुत अलग है। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद का नया पहलू आजमाना चाहती थी।' निधि ने टीवी और ओटीटी के काम के तरीके में अंतर भी बताया। निधि के अनुसार, टीवी पर शेड्यूल बहुत तेज होता है, जबकि ओटीटी में कलाकारों को थोड़ा धीमा होकर बारीकियों पर ध्यान देने का मौका मिलता है। कहानी कहने का तरीका ज्यादा सूक्ष्म और असली जैसा है, जिसका मैंने पूरा मजा लिया। यह अब तक का सबसे अलग किरदार रहा।' बता दें, रुपाली गांगुली के टीवी शो 'अनुपमा' में निधि शाह ने किंजल का रोल निभाया है। यह शो रूपाली गांगुली के लीड रोल वाली बेहद लोकप्रिय सीरीज है, जो बंगाली शो 'श्रीमयी' का रीमेक है। निधि के किरदार किंजल को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

रुबीना दिलैक ने नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ की

अभिनेत्री रुबीना दिलैक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महिला, मां और कामकाजी व्यक्ति के रूप में नीतू कपूर की इस यात्रा से खुद को गहराई से जोड़ पाती हैं। रुबीना ने खास बातचीत में नीतू कपूर की हिम्मत और साहस की सराहना की। उन्होंने बताया, 'मैं नीतू कपूर से पूरी तरह से खुद को जोड़ पाती हूं। बेशक, वह सुंदरता और ताकत की मिसाल हैं और हमने सालों से यह देखा है।' नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर के निधन के बाद दशकों बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। रुबीना ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को ठीक इसी तरह आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को बिल्कुल इसी तरह आगे आना चाहिए, एक मिसाल कायम करनी चाहिए और उन दूसरी महिलाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए जिन्हें अभी भी इस बात का भरोसा नहीं है कि मां बनने के बाद या जीवन में आए बदलाव के बाद उन्हें काम पर वापस लौटना चाहिए या नहीं।' रुबीना ने नीतू कपूर की उस बात का भी जिक्र किया जिसमें नीतू ने कहा था कि उनकी वापसी सिर्फ काम के लिए नहीं बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि इतने सालों बाद भी कैमरे के सामने आत्मविश्वास और हिम्मत बाकी है या नहीं। रुबीना इसे बेहद प्रेरणादायक मानती हैं। रुबीना ने अपने पति अभिनव शुक्ला की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि अभिनव घर पर रहकर बच्चों की देखभाल कर रहे हैं ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। रुबीना ने कहा, 'एक पुरुष के लिए अपने ईगो को किनारे रखकर यह कहना कि 'मैं घर पर रहूंगा, तुम जाओ और अपने सपनों को पूरा करो' इसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए।

उर्वशी रौतेला ने अपनाया करियर का अलग नजरिया

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अब अपने करियर को लेकर एक अलग नजरिया अपनाया है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस समय उनके लिए सबसे जरूरी चीज दिखना या लोगों से तारीफ पाना नहीं है, बल्कि ऐसे काम करना है जिनका असली मतलब हो और जिनमें भावनाएं जुड़ी हों। आईएएनएस से बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''शुरुआत में हर कलाकार के लिए पहचान मिलना बहुत जरूरी होता है, लेकिन सिर्फ पहचान ही सब कुछ नहीं होती। अगर किसी काम में सच्चाई और भावना नहीं होगी, तो वह लंबे समय तक लोगों के दिल में नहीं रह सकता। मेरा मानना है कि असली सफलता वही है, जो समय के साथ भी बनी रहे और दर्शकों को अंदर तक छू जाए।'' उन्होंने कहा, 'अब करियर में दिखावा नहीं चाहिए। अब मैं ऐसी फिल्मों की तलाश में हूं, जो दर्शकों को कोई कोई संदेश दे और जागरुक करने का काम करें।''

बता दें कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत साल 2013 में फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। यह उनकी पहली बड़ी फिल्म थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई। इसके बाद वह कई फिल्मों में अलग-अलग किरदारों में नजर आईं। अब वह 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' को लेकर चर्चाओं में है। इस फिल्म में वह पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आएंगी।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है।'' उन्होंने कहा, ''क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है।'' उर्वशी ने कहा, ''मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे।

सस्पेंस, कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर होगी 'प्रीतम एंड पेड्रो'

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों अलग-अलग तरह की कहानियां दर्शकों को देखने को मिल रही हैं। अब एक नई सीरीज जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है, जिसका नाम है 'प्रीतम एंड पेड्रो'। इस सीरीज का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। खास बात यह है कि मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी का यह ओटीटी दुनिया में पहला बड़ा प्रोडक्शन है। टीजर में कॉमेडी के साथ रहस्य और कन्फ्यूजन का ऐसा मिश्रण दिखाया गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। टीजर की शुरुआत एक ऐसी दुनिया से होती है, जहां सब कुछ थोड़ा अलग और मजेदार नजर आता है। कहानी में दो ऐसे किरदार दिखाई देते हैं जो एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन हालात उन्हें साथ ले आते हैं। यही वजह है कि उनके बीच कई मजेदार और उलझन भरे पल देखने को मिलते हैं। जहां एक तरफ सब कुछ सामान्य दिखता है, वहीं दूसरी तरफ अचानक होने वाली घटनाएं कहानी को रहस्यमयी बना देती हैं। यही अंदाज दर्शकों को शुरुआत से आखिर तक बांधे रखता है। इस सीरीज में अरशद वारसी और वीर हिरानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में दोनों के बीच की केमिस्ट्री काफी दिलचस्प नजर आ रही है।

संघर्ष से रहा गहरा नाता, आज दमदार किरदारों संग फिल्मों से लेकर ओटीटी तक की 'क्वीन'

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी दमदार अदायगी से अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शेफाली शाह को भला कौन नहीं जानता होगा? अपने संजीदा अभिनय और मजबूत किरदारों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक आज उन्हें हर जगह दर्शक स्वीकार कर चुके हैं। शेफाली शाह आज सफलता के आसमान पर हैं। हालांकि, सफलता तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा।

बचपन के संघर्षों से लेकर इंडस्ट्री में खुद को साबित करने तक, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। संघर्षों से भरे सफर के बावजूद शेफाली ने कभी हार नहीं मानी। यही वजह है कि आज वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद और दमदार अभिनेत्रियों में शुमार हैं। 22 मई 1973 को जन्मीं शेफाली शाह बचपन से ही अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती थीं। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती थीं और शुरुआती दिनों में आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनका परिवार लंबे समय तक स्थायी घर के बिना रहा। कई बार रिश्तेदारों और परिचितों के सहारे रहने की नौबत भी आई। इन कठिन परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शेफाली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल साल 1995 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से की थी। इस फिल्म में भले ही उनका छोटा किरदार था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी। इसके बाद उन्हें फिल्म 'सत्या' में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा। उन्हें इस भूमिका ने इंडस्ट्री में पैर जमाने में मदद की।

इसके बाद शेफाली शाह ने कई यादगार फिल्मों में काम किया। 'वक्त : द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी माई फादर', '15 पार्क एवेन्यू', 'दिल धड़कने दो', 'डॉक्टर जी', 'थ्री ऑफ अस' और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अंदाज के साथ पर्दे पर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। खास बात यह रही कि उन्होंने कभी खुद को किसी एक तरह की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। हालांकि, एक से बढ़कर एक किरदार के साथ कई जॉनर की फिल्मों में लंबे समय तक काम करने के बावजूद उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिली जिसकी वह हकदार थीं। इसके बाद उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया और यहीं से उनके करियर ने नई ऊंचाइयों को छूना शुरू किया। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली और इसके दूसरे सीजन को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिला। इसके अलावा, 'ह्यूमन' जैसी सीरीज में भी उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाती हैं शेफाली

आज शेफाली शाह को ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाता है। उनकी खासियत यह है कि वह हर किरदार को बेहद सहज और वास्तविक अंदाज में पर्दे पर उतारती हैं। निजी जिंदगी में भी शेफाली काफी संतुलित जीवन जीती हैं। वह फिल्म निर्देशक विपुल शाह के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन बिता रही हैं। इससे पहले उनकी शादी अभिनेता हर्ष छाया से हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में नौ मंजिला इमारत गिरी, 21 लोग मलबे में दबे

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस की राजधानी मनीला के उत्तर में स्थित एंजेल्स शहर में रविवार तड़के एक निर्माणाधीन नौ मंजिला इमारत ढह गई। इस हादसे में कम से कम 21 लोग लापता हैं, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश और तूफान के बाद यह हादसा हुआ। राहत कार्य के दौरान मलबे के नीचे से कुछ आवाजें सुनाई दी हैं, बचावकर्मी कंक्रीट काटकर लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

बहरीन : आईआरजीसी के साथ साजिश के आरोप में 9 को उम्रकैद

बहरीन , एजेंसी। बहरीन की एक अदालत ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के साथ मिलकर देश के खिलाफ आतंकवादी और शत्रुतापूर्ण कृत्यों की साजिश रचने के आरोप में नौ दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। रविवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दो अन्य आरोपियों को तीन-तीन साल जेल की सजा दी गई है। दोषी पाए गए व्यक्ति संवेदनशील स्थलों की जानकारी जुटाने और वित्तीय लेनदेन की सुविधा प्रदान करने में शामिल थे।

बलूचिस्तान में मुठभेड़ में नौ लड़ाकों और चार जवानों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में स्थानीय लड़ाकों के खिलाफ चलाए गए एक खुफिया ऑपरेशन में चार सुरक्षाकर्मी मारे गए और सात घायल हो गए। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार को बताया कि कुचलक और नोहसार इलाकों में शनिवार को हुई मुठभेड़ में नौ लड़ाके भी ढेर कर दिए गए। मारे गए सभी जवान आतंकवाद निरोधी विभाग के थे। घायल कर्मियों का क्वेटा में इलाज चल रहा है। सुरक्षा बलों ने पहले भी 35 लड़ाकों को ढेर किया था।

पाकिस्तान : आतंकियों ने शांति समिति के चार सदस्यों को मारा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवादियों ने बड़ा हमला कर दिया। यह हमला डेरा इस्माइल खान जिले की कुलाची तहसील में हुआ, जहां स्थानीय शांति समिति के सदस्यों को निशाना बनाया गया। इस हमले में चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने घात लगाकर समिति के सदस्यों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमलावरों ने सिर्फ हमला ही नहीं किया, बल्कि समिति के एक सदस्य का अपहरण भी कर लिया। इसके अलावा आतंकवादी वहां मौजूद अन्य सदस्यों के हथियार भी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अब तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवादी हमलों से प्रभावित रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस का कहना है कि आतंकियों की तलाश जारी है और जल्द ही हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। मालूम हो कि पाकिस्तान में विद्रोही संगठन भी लगातार हिंसक आंदोलन कर रहे हैं।

स्पेन : घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन, नारेबाजी

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में हजारों लोगों ने घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन किया है। लोग लगातार बढ़ते किराए और घरों की कीमतों से परेशान हैं। इससे कई स्पेनिश नागरिकों के लिए घर खरीदना मुश्किल हो गया है। यह प्रदर्शन रविवार को शहर के केंद्र में किया गया। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के लिए 2027 के चुनाव से पहले स्पेन में आवास संकट एक बड़ी राजनीतिक चुनौती माना जा रहा है।

द. चीन सागर में ताइवान के नियंत्रण वाले द्वीप के पास टकराव के बाद वापस लौटा चीनी जहाज

ताइपे, एजेंसी। दक्षिण चीन सागर के उत्तरी छोर पर स्थित रणनीतिक तौर से अहम प्रतास द्वीप समूह के पास ताइवान और चीन के तटरक्षकों के बीच गंभीर गतिरोध और तीखी बहस के बाद रविवार को आखिरकार चीनी तटरक्षक जहाज वापस लौट गया। ताइवानी तटरक्षक बल के मुताबिक, शनिवार को एक चीनी तटरक्षक जहाज प्रतास द्वीप की ओर आते देखे जाने पर ताइवान ने जहाज भेज तुरंत चेतावनी दी थी। इस पर दोनों पक्षों के बीच संप्रभुता को लेकर रेडियो पर तीखी बहस हुई। इसमें चीन ने अपने जहाज के रोजाना की गश्त पर होने और प्रतास द्वीप के चीन की संप्रभुता और अधिकार होने की बात कही। इसके जवाब में ताइवानी जहाज ने चीनी जहाज से शांति भंग न करने और वापस लौटने को कहा।

यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला, रूस ने बरसाया घातक हथियार, क्या है हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल

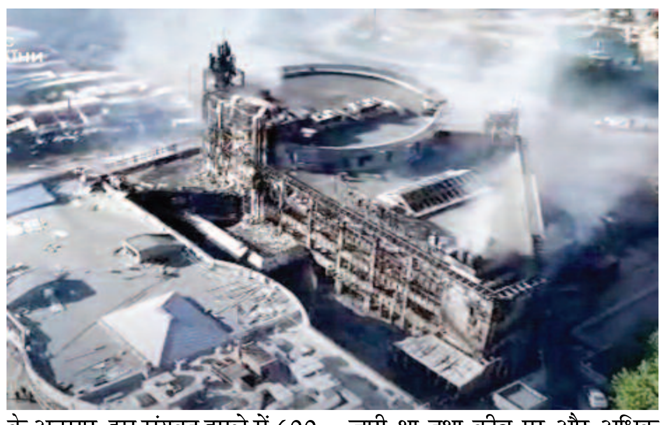

कीव , एजेंसी। रूस ने रविवार को कीव पर हमले में ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान शक्तिशाली हाइपरसोनिक ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। इस हमले में दो लोग मारे गए। यह चार साल के युद्ध में तीसरी बार है जब इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है। भीषण हवाई हमले से यूक्रेन की राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारत समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। यूक्रेन के प्रधानमंत्री जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में बताया कि परमाणु या पारंपरिक युद्धक सामग्री ले जाने में सक्षम ओरेश्निक मिसाइल से कीव क्षेत्र के बिला त्सेरक्वा शहर पर निशाना साधा गया। उन्होंने बताया कि लक्ष्य का तुरंत पता नहीं चल पाया है।

क्या है ओरेश्निक मिसाइल : ओरेश्निक मिसाइल आवाज की रफ्तार से 10 गुना अधिक यानी मैक 10 की रफ्तार से लक्ष्य की ओर बढ़ती है। यह भूमिगत बंकरों को तीन, चार या उससे अधिक मंजिलों की गहराई तक नष्ट करने में सक्षम है। रूसी भाषा में 'ओरेश्निक' का अर्थ हेजलनट का पेड़ होता है। यह तीसरी बार है जब रूस ने ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल यूक्रेन पर किया है। रूस ने पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल किया था। दूसरी बार इसका इस्तेमाल जनवरी में पश्चिमी लवीव क्षेत्र में किया गया था। यूक्रेन का क्या दावा यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, इस संयुक्त हमले में 600 ड्रोन और 90 हवाई, समुद्री और जमीनी मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 549 ड्रोन और 55 मिसाइलों को नष्ट कर दिया या बीच में रोक दिया। वायु सेना ने बताया कि लगभग 19 मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाईं। इससे पहले, जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से मिली खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए चेतावनी दी थी कि रूस ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है।

जगह-जगह उठता रहा धुआं : चश्मदीदों के मुताबिक शनिवार रात हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से समूचे कीव में धुआं उठता दिखा। एपी के पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में स्थित इमारतों और सरकारी भवनों के पास जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। रविवार सुबह तक हमला जारी था तथा कीव पर और अधिक मिसाइल एवं ड्रोन से हमले की आशंका है। कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में आवासीय भवनों सहित कई जगहों पर नुकसान हुआ है।

पांच मंजिला इमारत पर हमला : यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में पांच मंजिला आवासीय इमारत पर हमला हुआ। इससे उसमें आग लग गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई। महापौर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत पर हमला हुआ जिसमें लोग शरण लिए हुए थे। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कीव में सुपरमार्केट और गोदामों को भी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के गवर्नर मायकोला कलाश्निक के अनुसार, कीव क्षेत्र में कई समुदायों को नुकसान पहुंचा है।

रूस ने क्या कहा : रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की कि उसने 'ओरेश्निक' सहित अन्य मिसाइल प्रणालियों का उपयोग करते हुए यूक्रेन के सैन्य कमान और नियंत्रण केंद्रों, वायुसेना अड्डों और सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमले किए। हालांकि, मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ये लक्ष्य कहां स्थित थे। मंत्रालय ने यह भी कहाकि यह हमला रूसी क्षेत्र में नागरिक केंद्रों पर यूक्रेन के हमलों के जवाब में किया गया। हालांकि, उसने तुरंत कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को रूस के कब्जे वाले पूर्वी यूक्रेन में एक कॉलेज के छात्रावास पर ड्रोन हमले की निंदा की। रूस ने इन हमलों के लिए यूक्रेन पर आरोप लगाया है। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सेवा ने शनिवार देर रात बताया कि स्टारोबिलस्क में हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इसमें कहा गया है कि गत रात हुए हमले में 42 अन्य लोग घायल हुए थे। क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) द्वारा नियुक्त लुहांस्क क्षेत्र के अधिकारियों ने पीड़ितों के सम्मान में रविवार और सोमवार को दो दिन के शोक की घोषणा की। यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों ने युद्ध के शुरुआती दिनों से ही रूस पर नियमित रूप से नागरिकों और महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। क्रेमलिन इन आरोपों से इनकार करता है।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान से प्रणय वर्मा की मुलाकात

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को मजबूत बनाने की दिशा में एक और अहम कदम सामने आया है। बांग्लादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने रविवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत, बांग्लादेश के साथ अपने बहुआयामी संबंधों को और गहरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ढाका में हुई इस विदाई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग के कई संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। तारिक रहमान ने प्रणय वर्मा के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। भारत सरकार ने प्रणय वर्मा को अब बेल्जियम और यूरोपीय संघ में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है।

बैठक में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भी मौजूद रहे। प्रणय वर्मा ने सितंबर 2022 में ढाका में भारतीय उच्चायुक्त का पद संभाला था। अब उनकी जगह पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश भेजा जा रहा है। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश हाल के तनावपूर्ण दौर के बाद रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

ईरान से समझौता मंजूरी में लग सकते हैं कुछ दिन : रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस का मानना है कि ईरान की लीडरशिप से इस समझौते को मंजूरी मिलने में कुछ दिन लग सकते हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि अभी बातचीत पूरी तरह फाइनल नहीं हुई है और यह डील टूट भी सकती है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह बात कही गई। सि?न्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह संभावित समझौता लंबे समय तक शांति बनाए रखने वाला कोई पक्का समझौता बनेगा या नहीं, और क्या इसमें अमेरिका की परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी मांगों का भी हल निकलेगा। रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने प्रतिनिधियों से कहा है कि वे 'जल्दबाजी में कोई समझौता न करें', क्योंकि 'समय हमारे पक्ष में है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'दोनों पक्षों को समय लेना चाहिए और सही तरीके से फैसला करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की पाबंदी तब तक पूरी तरह लागू रहेगी, जब तक कोई समझौता तय होकर उस पर आधिकारिक मंजूरी और हस्ताक्षर नहीं हो जाते। रविवार को ही ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही बातचीत का बचाव करते हुए ओबामा सरकार के समय हुए परमाणु समझौते की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा बातचीत ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकेगी। 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 2015 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय हुआ ईरान परमाणु समझौता यह बयान ऐसे समय आया जब ट्रंप ने कहा कि ईरान और कई मध्य-पूर्वी देशों के बीच एक बड़ा क्षेत्रीय समझौता लगभग तैयार हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं से बातचीत की है।

कांगो में इबोला का कहर तेज: 900 के पार पहुंचे संदिग्ध मामले, दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है ये वायरस?

किंशासा, एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में इबोला वायरस का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। देश के पूर्वी हिस्से में फैले संक्रमण ने अब गंभीर रूप ले लिया है। कांगो सरकार के मुताबिक संदिग्ध इबोला मामलों की संख्या 900 के पार पहुंच गई है। लगातार बढ़ते संक्रमण और मौतों ने स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस प्रकोप को कांगो के लिए बहुत बड़ा खतरा बताया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर संक्रमण फैलने का जोखिम अभी कम माना गया है। इस बीच भारत सरकार ने भी अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने की सलाह दी है। कांगो में इबोला का प्रकोप कितना गंभीर हो गया है? कांगो के संचार मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक 904 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 119 संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। इससे पहले 700 से ज्यादा मामलों और 170 से अधिक मौतों की जानकारी दी गई थी। संक्रमण का सबसे ज्यादा असर इतुरी प्रांत में देखा जा रहा है। स्वास्थ्य एजेंसियों का कहना है कि मौजूदा प्रकोप के लिए बंडिबुग्यो स्ट्रेन जिम्मेदार माना जा रहा है। यह इबोला का खतरनाक प्रकार है और फिलहाल इसके लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन या खास दवा उपलब्ध नहीं है। इसी वजह से हालात को बेहद गंभीर माना जा रहा है। दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है इबोला कांगो में तेजी से बढ़ते इबोला मामलों ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते संक्रमण नहीं रोका गया तो यह दूसरे देशों तक फैल सकता है। बंडिबुग्यो स्ट्रेन के खिलाफ अभी कोई प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। कई देशों ने अफ्रीकी देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इबोला ने फिर दिखाया कि संक्रामक बीमारियां तेजी से वैश्विक खतरा बन सकती हैं।

भारतीयों के लिए क्या एडवाइजरी जारी की गई है : भारत सरकार ने कांगो, युगांडा और आसपास के देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है कि दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों में भी संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में भारतीय नागरिकों को इन देशों की यात्रा टालने की सलाह दी गई है। जो भारतीय फिलहाल इन देशों में रह रहे हैं, उन्हें स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। सरकार ने लोगों से अतिरिक्त सावधानी बरतने और भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने की अपील की है। भारत में अब तक इबोला का कितना असर देखा गया? भारत में अब तक इबोला का सिर्फ एक मामला सामने आया है। साल 2014 में पश्चिम अफ्रीका में फैले इबोला संक्रमण के दौरान लाइबेरिया से लौटे 26 वर्षीय भारतीय नागरिक में यह वायरस पाया गया था। एयरपोर्ट स्क्रीनिंग के दौरान उसकी पहचान हुई थी। बाद में उसे आइसोलेट कर सफलतापूर्वक इलाज किया गया और संक्रमण को फैलने से रोक लिया गया। इसके बाद भारत में इबोला का कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया। फिलहाल भारत में इबोला संक्रमण का कोई सक्रिय मामला दर्ज नहीं है। इबोला एक बेहद खतरनाक और कई बार जानलेवा वायरस है। यह संक्रमित जानवरों से इंसानों में फैलता है और फिर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से तेजी से दूसरे लोगों तक पहुंच सकता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी, शरीर में दर्द और आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं।

मंगल के बेहद करीब पहुंचा नासा का यान, लाल ग्रह की भेजीं हैरान करने वाली तस्वीरें

वॉशिंगटन , एजेंसी। नासा का साइक अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह के बेहद करीब से गुजरते हुए बड़ी वैज्ञानिक सफलता हासिल करने में कामयाब रहा है। इस यान ने लाल ग्रह की बेहद साफ और दुर्लभ तस्वीरें पृथ्वी पर भेजी हैं। 15 मई को हुए इस हाई-स्पीड फ्लाईबाय के दौरान यान मंगल की सतह से सिर्फ 4,609 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह मिशन सिर्फ तस्वीरें लेने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका मकसद अंतरिक्ष यान की रफ्तार बढ़ाना और उसकी दिशा बदलना भी था। इस उपलब्धि को नासा के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक दोनों नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है।

आखिर मंगल के इतने करीब क्यों पहुंचा था यान : नासा के अनुसार साइक मिशन के तहत अंतरिक्ष यान को मंगल के गुरुत्वाकर्षण का फायदा देने के लिए उसके बेहद करीब ले जाया गया। वैज्ञानिक इस तकनीक को ग्रैविटी असिस्ट कहते हैं। इसमें किसी ग्रह की गुरुत्वाकर्षण शक्ति का इस्तेमाल कर यान को अतिरिक्त गति दी जाती है। इससे यान को अपने इंजन से कम ईंधन खर्च करना पड़ता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तकनीक की मदद से अंतरिक्ष मिशनों को लंबी दूरी तक अधिक प्रभावी तरीके से भेजा जा सकता है।

यान ने कौन-कौन सी तस्वीरें भेजीं : फ्लाईबाय के दौरान यान में लगे मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर ने मंगल ग्रह की सतह की कई शानदार तस्वीरें कैद कीं। इनमें मंगल के दक्षिणी उच्चभूमि क्षेत्र और विशाल डबल-रिंग ह्यूजेंस क्रेटर की तस्वीरें सबसे खास मानी जा रही हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक ह्यूजेंस क्रेटर का व्यास करीब 470 किलोमीटर है। तस्वीरों में मंगल की प्राचीन और गड्ढों से भरी सतह बेहद स्पष्ट दिखाई दे रही है। इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को लाल ग्रह के भूगर्भीय इतिहास को समझने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मिशन के लिए यह फ्लाईबाय कितना अहम माना जा रहा है : नासा और जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों के अनुसार यह फ्लाईबाय पूरे मिशन का बेहद महत्वपूर्ण चरण था। मंगल के गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल कर यान की दिशा को सही मार्ग पर स्थापित किया गया। खास बात यह रही कि इसके लिए अतिरिक्त ईंधन खर्च नहीं करना पड़ा। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह की तकनीक भविष्य के गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

अंतरिक्ष अनुसंधान में क्यों महत्वपूर्ण है यह उपलब्धि : विशेषज्ञों के मुताबिक साइक मिशन अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मंगल के करीब पहुंचकर इतनी स्पष्ट तस्वीरें लेना और साथ ही यान की गति बढ़ाना दोनों बड़ी सफलता हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है।

भारतीयों शादियों से कमाना चाह रहा नेपाल, पूर्व वित्त मंत्री ने सोने के गहनों पर टैक्स हटाने की मांग की

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे ने भारत से आने वाले पर्यटकों को लेकर बड़ा सुझाव दिया है। उन्होंने नेपाल सरकार से मांग की कि भारतीय नागरिकों के सोने के गहनों पर लगने वाला टैक्स खत्म किया जाए। पांडे का कहना है कि अगर सरकार यह कदम उठाती है तो नेपाल को शादी समारोहों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े देशों से आने वाले पर्यटकों के जरिए नेपाल अपनी पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे सकता है। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन पहले से ही बड़ी भूमिका निभाता है और विदेशी मुद्रा कमाने का यह अहम जरिया माना जाता है।

भारतीय पर्यटकों को लेकर सुरेंद्र पांडे ने क्या सुझाव दिया : काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में सुरेंद्र पांडे ने कहा कि नेपाल सरकार को बाजार को ज्यादा आजादी देनी चाहिए और जरूरत से ज्यादा नियम-कानून लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सख्त नियमों से अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती। पांडे ने खास तौर पर भारतीय नागरिकों का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाल को शादी डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने की बड़ी संभावना है। लेकिन इसके लिए भारतीय मेहमानों द्वारा पहने जाने वाले सोने के गहनों पर टैक्स में राहत देना जरूरी होगा। उनका मानना है कि इससे भारतीय परिवार नेपाल में शादी समारोह आयोजित करने के लिए ज्यादा आकर्षित होंगे। नेपाल में सोने के गहनों को लेकर क्या नियम हैं फिलहाल नेपाल में हवाई मार्ग से आने वाले विदेशी यात्रियों को 50 ग्राम तक सोने के गहने और 100 ग्राम तक चांदी के गहने बिना कस्टम ड्यूटी के लाने की अनुमति है। हालांकि यह शर्त होती है कि यात्रा पूरी होने के बाद उन्हें वापस ले जाया जाए। भारतीय दूतावास के मुताबिक यह छूट सिर्फ निजी इस्तेमाल के लिए लागू होती है। सुरेंद्र पांडे का कहना है कि अगर भारतीय पर्यटकों के लिए नियम और आसान किए जाएं तो नेपाल को पर्यटन के क्षेत्र में बड़ा फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन से रोजगार और कारोबार दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन बढ़ाने के लिए और क्या सुझाव दिए गए : नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र पांडे ने सरकार को भारत और चीन से आने वाले पर्यटकों के लिए बड़े पर्यटन पैकेज तैयार करने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि नेपाल को दोनों देशों के करोड़ों लोगों को ध्यान में रखकर अपनी पर्यटन रणनीति बनानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय वाहनों के नेपाल में प्रवेश को आसान और बिना परेशानी वाला बनाने की मांग की। उनका कहना है कि अगर सीमा पर प्रक्रियाएं सरल होंगी तो ज्यादा भारतीय पर्यटक नेपाल पहुंचेंगे। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन सबसे अहम क्षेत्रों में से एक माना जाता है। पहाड़, धार्मिक स्थल, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की वजह से बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचते हैं।

केमिकल टैंक में ब्लास्ट का खतरा: 50 हजार से ज्यादा लोगों का विस्थापन, जहरीली गैस के खौफ से सहमा कैलिफोर्निया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक बड़ा हादसा रोकने के लिए अधिकारी दिन-रात एक कर रहे हैं। यहां एक फैक्ट्री में केमिकल का टैंक खराब हो गया है। इस टैंक से खतरनाक गैस निकल रही है, जिसके डर से हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर जाना पड़ा है। गार्डन ग्रोव शहर की जीकेएन एयरोस्पेस फैक्ट्री के एक टैंक में करीब 22,713 से 26,498 लीटर 'मिथाइल मेथाक्राइलेट' नाम का केमिकल भरा है। पिछले हफ्ते यह टैंक अचानक बहुत ज्यादा गर्म हो गया और इससे जहरीली गैस हवा में फैलने लगी। अधिकारियों का कहना है कि अगर टैंक का तापमान कम नहीं हुआ, तो या तो सारा केमिकल बाहर बह जाएगा या फिर टैंक बम की तरह फट जाएगा। इस वीकेंड पर सुरक्षा के लिए 50,000 से ज्यादा लोगों को इलाका खाली करने को कहा गया है। अच्छी बात यह है कि अभी तक कोई घायल नहीं हुआ है। दमकलकर्मी टैंक पर लगातार पानी डालकर उसे ठंडा कर रहे हैं।

क्यों खतरनाक है यह केमिकल : यह केमिकल एक ऐसा लिक्विड है जिसमें आसानी से आग लग जाती है और इसका कोई रंग नहीं होता। इसका इस्तेमाल प्लास्टिक और नकली दांत बनाने में होता है। सरकार ने इसे बेहद खतरनाक माना है। पर्यावरण एजेंसी ईपीए के मुताबिक, इसकी गैस से आंख, नाक और फेफड़ों में तेज जलन होती है। ज्यादा मात्रा में यह गैस शरीर में जाए तो चक्कर आने लगते हैं, याददाश्त पर असर पड़ता है और सांस लेने में दिक्कत होती है। हालांकि, राहत की बात है कि अभी हवा में प्रदूषण का स्तर सामान्य है।

टैंक में क्या खराबी आई है : इस मुसीबत की वजह यह है कि टैंक का ड्रेनेज वाल्व यानी केमिकल निकालने वाला रास्ता खराब हो गया है। अगर इसे ठीक नहीं किया गया, तो बड़ा केमिकल स्पिल होगा या फिर धमाका हो जाएगा। दमकल विभाग टैंक के तापमान को 29.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने में जुटा है ताकि अंदर दबाव न बने। ईपीए चीफ ली जेल्डिन ने कहा कि सबसे सुरक्षित तरीका यह है कि केमिकल को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खुद ही बाहर निकलने दिया जाए, ताकि अधिकारी उसे काबू में कर सकें।

अगर धमाका हुआ तो क्या होगा : अगर टैंक का तापमान बढ़ा, तो अंदर का लिक्विड केमिकल गैस बन जाएगा। गैस बनने से दबाव बढ़ेगा और टैंक फट सकता है। इससे आसपास के दूसरे टैंकों में भी आग लग सकती है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रेजिना ने बताया कि धमाका होने पर यह जहरीली गैस दूर-दूर तक फैल जाएगी। इससे लोगों के गले में खराश, आंखों में जलन और चक्कर आने जैसी समस्याएं होंगी। डिजनीलैंड के दो पार्क इस खतरे के दायरे से बाहर हैं, इसलिए वहां के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि टैंक में एक हल्की दरार दिख रही है। केमिस्ट्री के प्रोफेसर एलियास पिकाजो ने बताया कि यह दरार एक तरह से अच्छी है, क्योंकि इससे थोड़ी-थोड़ी गैस बाहर निकल जाएगी और अंदर का दबाव कम होगा। इससे अधिकारियों को अंदर के केमिकल को ठंडा करके जमाने का समय मिल जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)